

भारत सरकार रजि. 31217/77, पो. रजि. एल./6/आर.जे. 659 वर्ष 33 अति. अंक

शिक्षा जगत की आवाज

सोच से भी आगे

2017

पधारले सा

Vol-4

Tourism Special





Owner Publisher
Mrs. Alka Jaiswal



Sub-Editor :
L.K. Jhiriwal

Business Head :
JITENDRA SINGH
9783589055

Photo Journalist :
Neeraj Sharma
Jiten Singh

Circulation Executive:
Girdharilal (Guddu)
Mob. : 9414019969
Ramvitar Sain
Mob. : 9929971011
Avdhesh Mishra

Graphic Designer :
Bittu Sharma



shikshajagatkiaawaz@gmail.com



shikshajagatkiaawaz@yahoo.com

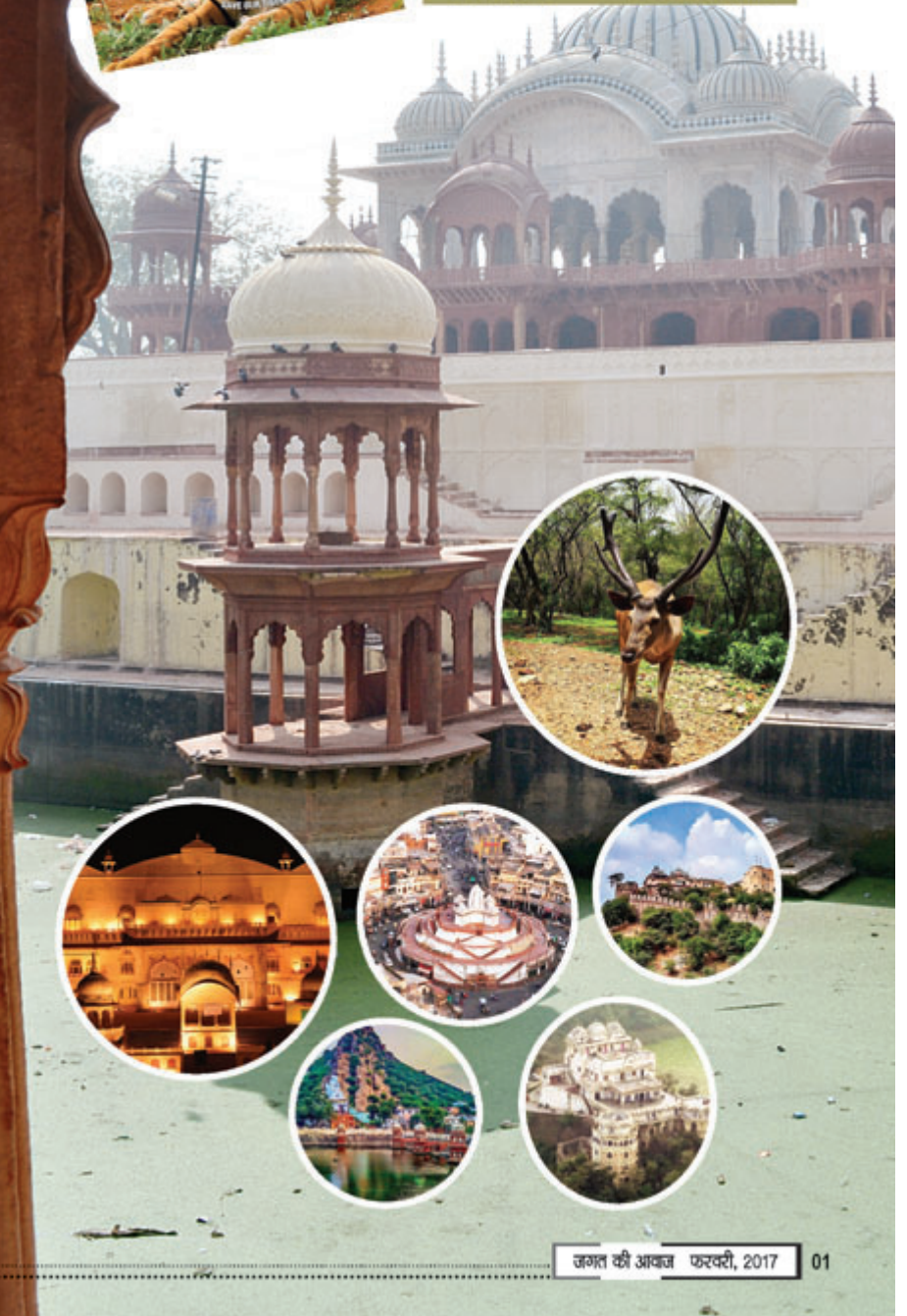
Website : www.shikshajagatkiaawaz.com
Email : shikshajagat@yahoo.com

Owned and published & Printed by
H.O. Jhiriwal and printed at Saini
Printing Press, Alwar & print
Gitanjali Press. Published from
Baldev Bhawan, Jatti ki bagichi
Kedal Ganj Alwar (Raj.)
Jaipur Office : 156-Prathviraj Nagar,
Durgapura, Jaipur



शिक्षा जगत की **आवाज**

फरवरी 2017 अंक : अतिरिक्तांक





GOLDEN TULIP

GRAND HIRA RESORT- NEEMRANA



**Never Ending
Delights And Thrills.**

At Golden Tulip Grand Hira Resort Neemrana

NH-8, Delhi Jaipur Highway, Hamzapur Distt., Alwar
301701 Neemrana, E-mail : gm.neemrana@goldentulipindia.com
Telephone : +91 1494679999, Fax : +91 1494679999

पधारो म्हारे देश

संपादकीय

पर्यटन के क्षेत्र में राजस्थान न केवल देश में अपितु विश्व के पर्यटन मानचित्र पर प्रमुखता से जाना जाता है। राजस्थान को सदियों से अपनी गौरवमयी, कला एवं संस्कृति, तीर्थस्थलों, प्राकृतिक सौंदर्य, पशुपक्षी अभ्यारण्यो एवं ऐतिहासिक स्थलों के कारण देश विदेश में सराहा जाता है। यही वजह है कि भारतभ्रमण पर आने वाला लगभग प्रत्येक यात्री राजस्थान जरूर आता है। राजस्थान के आर्थिक विकास में पर्यटन के महत्व विकास एवं इस को जम उद्योग बनाने की दिशा में अनेक कारगर कदम उठाए हैं।

राजस्थान में पर्यटकों की संख्या में आश्चर्यपूर्ण वृद्धि हो रही है। इससे राज्य पर्यटन व्यवसाय से जुड़े सभी वर्गों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है एवं अतिरिक्त रोजगार के अवसर भी बढ़ गए हैं। समय-समय पर विभिन्न प्रकार के मेलों का आयोजन किया जा रहा है। इससे हस्तकलाओं, शिल्पकलाओं से जुड़े लघु उद्यमियों को काफी फायदा हुआ है। मेलों से उद्यमियों को एक मंच मिलता है जिस से वे अपने उत्पादों को प्रदर्शित करते हैं। राजस्थान का सिंहद्वार अलवर जिला ऐतिहासिक भौगोलिक दृष्टि से अपनी विशेष पहचान लिए हुए है। यहां की मिली-जुली संस्कृति एवं यहां के

रीति-रिवाज, वेशभूषा, परम्परा, साहित्य व कला के बेजोड़ नमूने हैं। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अन्तर्गत आने से अलवर की ओर भी विशेष पहचान बन गई है।

अलवर जिला न केवल ऐतिहासिक रूप से अपना महत्व रखता है अपितु औद्योगिक पटल पर भी इसकी विशिष्ट पहचान बनी हुई है। जिले औद्योगिक मानचित्र पर तेजी से उभर कर आ रहा है। शहर को पार्क ऑफ सिटी के रूप में विकसित किया जा रहा है। अलवर जिले में पर्यटन के विकास के लिए हमारा प्रयास सदा से रहा है। पर्यटन पर बहुत कुछ हमने पूर्व में भी हमारी पत्रिका में दर्शाने का प्रयास किया है।

पाठकों को हमारे कार्यों से पर्यटन की जानकारी मिली, अलवर के साथ-साथ राजस्थान के कुछ जिलों के पर्यटन को जोड़ कर अनुठा कार्य किया जो पाठकों के द्वारा सराहा गया। अग्रिम प्रयास में हमने विदेशी पर्यटकों की सुविधा के लिए अंग्रेजी भाषा का प्रयोग किया है। पर्यटन को दर्शाने के लिए अलवर के साथ-साथ राजस्थान के जिलों के पर्यटन स्थलों के बारे में पूर्ण चित्रों व जानकारी के साथ प्रस्तुत करने का हमारा अहम् प्रयास है।

संपादक

Alwar Identity of Rajasthan

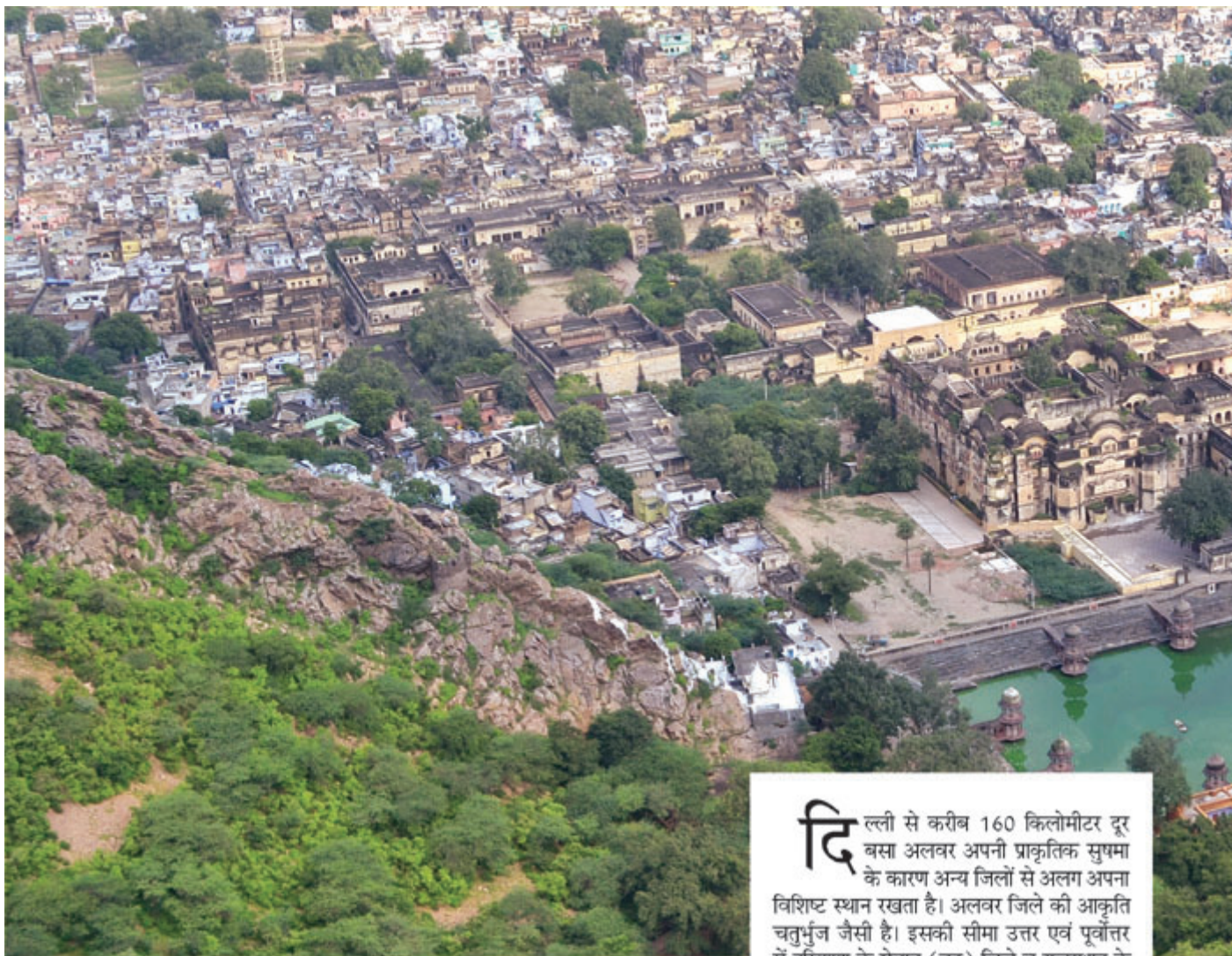
Alwar is not only a name of city but it holds a prestigious place on world map. It holds a place in social, traditional and arts in world history and on account of tourism our magazine is not only for Alwar but for whole Rajasthan. Our magazine is covering every corner of country. When it is about Rajasthan, every NRI wants to see and study the deep culture



Dr. Mahesh Sharma (Minister of Tourism of India) Inauguration Edition 2015

of Rajasthan. The spell bounding smell of Rajasthan is spread by means of our magazine. The followers of our magazine gives their precious moments to study Rajasthan. We welcome every Rajasthani from every corner of world who wants to be in touch with their land. We express their feelings by means of our magazine. We would like to thank every body who is actively or inactively associated with our magazine. So let us share our memories, new trends, unfulfilled dreams and moments of past with shiksha Jagat ki Awaz.

L.K. Jhiriwal,
Sub Editor



मत्स्य प्रदेश

महाभारत में जिस मत्स्य प्रदेश का उल्लेख मिलता है, उसका अधिकांश भाग इसी जिले में स्थित है। यहाँ सिंधु सभ्यता काल से मौर्य काल तक के अवशेष मिले हैं। रियासतों के एकीकरण के समय 18 मार्च 1948 को जब अलवर, भरतपुर, धौलपुर और करौली को मिलाकर एक किया गया तो नए प्रदेश का नाम उसी ऐतिहासिकता के चलते मत्स्य प्रदेश रखा गया। 22 मार्च, 1949 को इस संघ के वृहद् राजस्थान में विलीनीकरण के साथ अलवर, राजस्थान के जिले के रूप में अस्तित्व में आया।

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र

देश की राजधानी दिल्ली पर जनसंख्या का दबाव कम करने तथा इसके आस-पास के क्षेत्रों को विकसित करने के लिए सितम्बर 2004 में केंद्र सरकार ने एक अधिसूचना जारी कर सम्पूर्ण अलवर जिले को राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में शामिल कर लिया है। पहले अलवर का कुछ ही क्षेत्र एनसीआर में शामिल था।

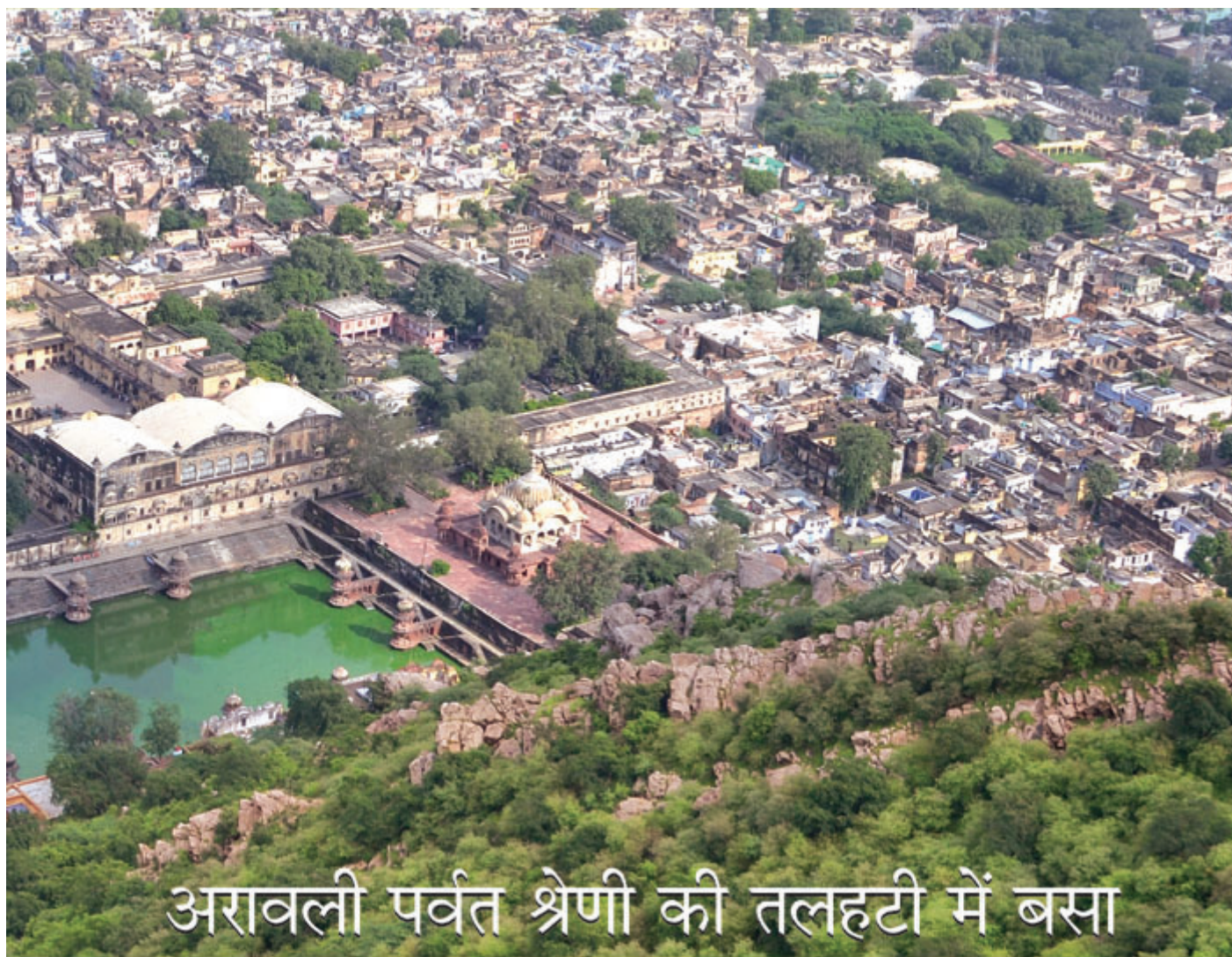
मॉडल जिला

राजस्व खातों की जमाबंदियों के कम्प्यूटरीकरण के मामले में अलवर जिले ने उल्लेखनीय कार्य किया है। राज्य सरकार ने इसे मॉडल जिला घोषित किया है।

दिल्ली से करीब 160 किलोमीटर दूर बसा अलवर अपनी प्राकृतिक सुषमा के कारण अन्य जिलों से अलग अपना विशिष्ट स्थान रखता है। अलवर जिले की आकृति चतुर्भुज जैसी है। इसकी सीमा उत्तर एवं पूर्वोत्तर में हरियाणा के मेवात (नूह) जिले व राजस्थान के भरतपुर जिले, पश्चिम में जयपुर, दक्षिण में दौसा जिले से लगती हैं।

गर्मियों में भीषण गर्मी व सर्दियों में तेज सर्दी पड़ती है। जिले का उच्चतम तापमान 47.0 से.ग्रे. न्यूनतम तापमान जमाव बिंदु तक पहुंच जाता है। यहाँ का औसत तापमान 26.0 से.ग्रे. और औसत वर्षा 65.7 से.मी. है।

अलवर का क्षेत्रफल 8,380 वर्ग किमी., नगरीय क्षेत्रफल 156.63 वर्ग किमी., ग्रामीण 8,223.37 वर्ग किमी., वन क्षेत्रफल-1809.12 वर्गकिमी., आरक्षित वन क्षेत्र 1006.06 वर्ग किमी., रक्षित वन क्षेत्र 660.51 वर्ग किमी वर्गीकृत वन क्षेत्र -142.55 वर्ग किमी., सरिस्का परियोजना, क्षेत्रफल 492 वर्ग किमी., प्रमुख नदियाँ- साबी, रूपारेल, काली, गौरी, बांध/झीलें- जयसमंद बांध, सीलीसेढ़, विजय सागर, जयसागर। भूकंप प्रभावित क्षेत्र वैसे तो समूचा अलवर जिला ही भूकंप प्रभावित जोन में आता है लेकिन अलवर की तिजारा पंचायत समिति अति क्षेति जोखिम (मरकेली पैमाने पर तीव्रता 6 से 6.9) में आता है।



अरावली पर्वत श्रेणी की तलहटी में बसा

अलवर

पर्यटकों के लिए सदैव आकर्षक का केन्द्र

1770

मुगलों के पराभव काल में सन् 1770 में रावराजा प्रतापसिंह ने अलवर राज्य की स्थापना की। पूर्वी राजस्थान का कश्मीर, राजस्थान का सिंहद्वार के नाम से जाना जाता है

14

राजस्थान में अलवर जिले में ही सबसे अधिक 14 पंचायत समितियाँ हैं।
उपखण्ड - 12
तहसील- 14
ग्राम पंचायत - 512

5.30%

यहां प्रदेश की कुल आबादी की 5.30 प्रतिशत जनसंख्या निवास करती है। कुल जनसंख्या 36,74,179, पुरुष 19,39,026, स्त्री 17,35,153

438

जनसंख्या घनत्व 438 व्यक्ति प्रति वर्ग किमी के लिहाज से राजस्थान में अलवर का स्थान चौथा है। साक्षरता दर 70.7 (पुरुष 83.7, महिला 56.3) (जनगणना -2011)



City
Palace

JHANKAR HOTEL

& RESTAURANT

A Business Class Hotel



- Banquet Hall
- A/C Deluxe Room
- Breakfast
- Lunch
- Dinner
- Conference Hall
- Outdoor Catering
- All Types of Party Arrangement

E-MAIL: hoteljhankar@gmail.com www.jhankarhotel.com

Delhi Road, Alwar Ph. 0144-2372550, 9413689606, 9680630698

There are number of forts and palaces in Rajasthan that provide a deep insight into the history of the place. Alwar in Rajasthan is a very popular tourist place for having a number of these forts and palaces. Among those forts and

palaces, the City Palace in Alwar is a major tourist attraction. Built by Raja Bakhtayar Singh in the year 1793 A.D. the palace is a perfect tourist spot for its historical significance as well as splendid architecture. The City Palace in Alwar is located in the foothills of Aravali Range. It is an ancient derelict fort that is also regarded as one of the most important landmark of the city. It is an ideal place for heritage lovers. The history of the palace is also associated with Babur and Jahangir as it is believed that the palace had housed them. The rich history of the place makes it a great place for tourists as they are able to get a detailed idea about the rich history of the palace.



Hotel Silver Sky

AC & Non AC Room



Special Arrangements : ■ Birthday Parties
■ Conference

Near Oswal School, Opp. Mahaveer Bhawan,
Ashoka Talkies Road, Alwar
Priyank Jain : 9828519821, 0144-2704039

Sagar

Behind the City Palace is an artificial lake built in 1815 A.D. by Maharaja Vinay Singh with few temples along its banks. A marvellous chhatra with unusual Bengali roof and arches, also known as the Moosi Maharani ki chhatra, is situated in this area Purjan.

राजस्थान के पूर्वोत्तर सीमान्त में स्थित अलवर जिला एक सामान्य चतुर्भुजात्मक क्षेत्र है, जो उत्तर में हरियाणा के गुड़गाँवा तथा महेन्द्रगढ़, पूर्व में भरतपुर व सवाईमाधोपुर तथा दक्षिण व पश्चिम की ओर जयपुर जिले की उत्तरी तहसीलों से घिरा हुआ है 7695 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तृत इसका परिक्षेत्र राजस्थान का 2.3 प्रतिशत क्षेत्र घेरे हुए है। अलवर बस्ती की स्थापना एवं उसके नामकरण के विषय में लेखकों ने मत मतयान्तर रहा है किन्तु उनमें से अधिकतर शब्दिक खेँचतान के अलावा कुछ परिणाम प्रस्तुत नहीं कर पाए। जैसे कुछ का मानना है कि अलपुर का अर्थ सुद्ध नगर अरवल (अरावली पर्वत श्रेणियाँ) वह कुछ तो अरवल खान खानजादा अलाउद्दीन खिलजी, अलवा विकुंभ, आलुनाथ अथवा आलुण देव चौहान को इसका स्थापक मानते हैं।

Kapil Goyal
M. 9414223381

Kailash Goyal (हैरथल वाले)
M. 9414017785

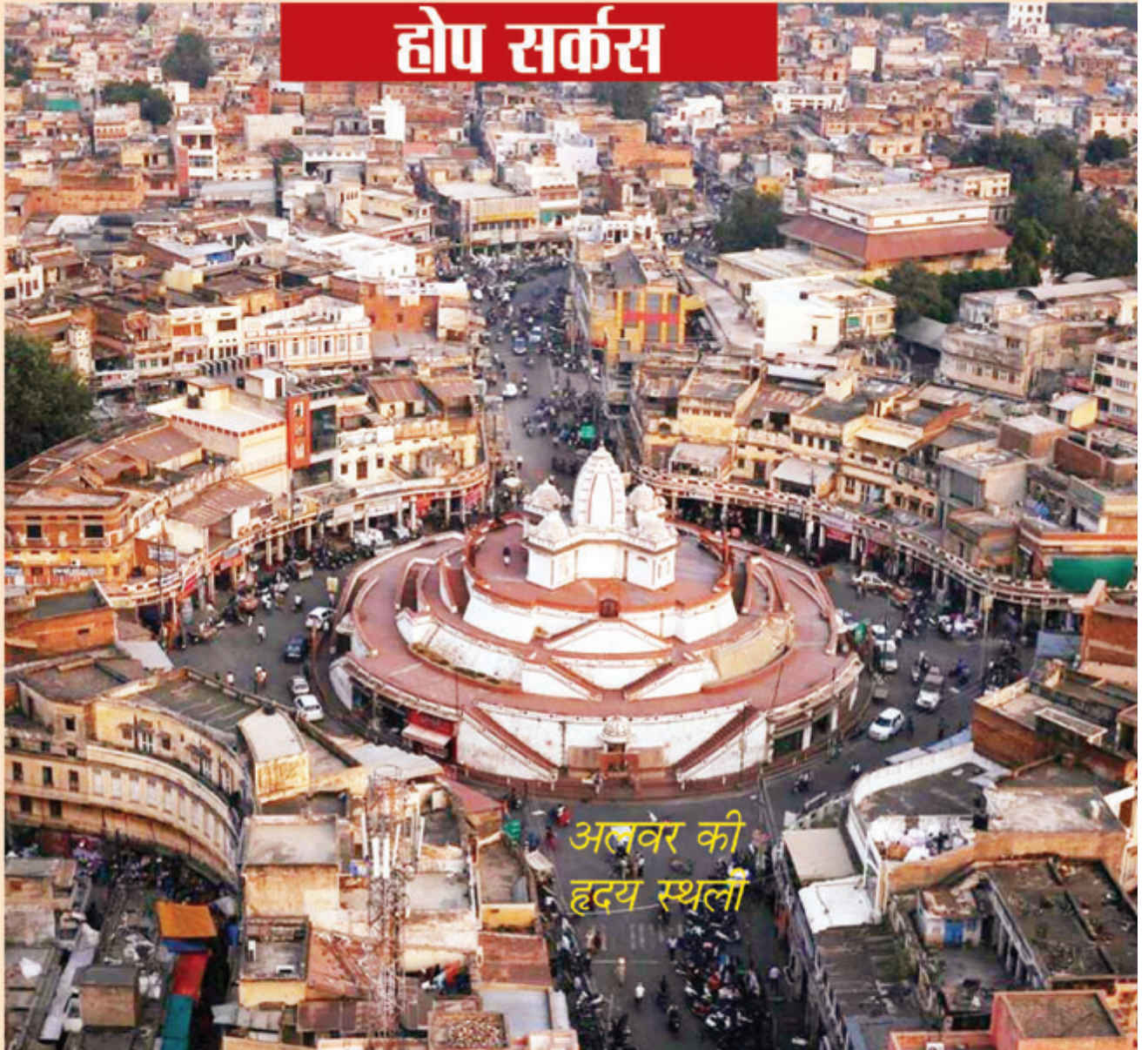
Goyal Marriage Event



- Marriage Events
- Theme Parties
- Corporate Events
- Destination / Royal Wedding
- Food Catering
- Extra Decoration Any Garden



Email - goyalevent.11@gmail.com | Website - www.goyalmarriageevent.com



Hope Circus is a monument situated almost midway between Alwar Railway Station and Alwar City Palace. Named after Miss Hope, daughter of the then Viceroy of India - Lord Linlithgow, it is one of the major tourist attractions in Alwar. Hope Circus is a circular structure having flight of steps leading to the top from all four sides. It is also one of the main shopping centers in Alwar.

पुराने अलवर शहर का केन्द्रबिन्दु होप सर्कस है। इस भवन के चारों तरफ दुकानें हैं। इसका नामकरण, अंग्रेज बायसराय लार्ड लिंलिथगो की पुत्री, मिस होप के नाम पर रखा गया था। यह एक गोल स्वरूप का भवन है, जिसमें चारों ओर से ऊपरी मंजिल पर जाने के लिए सीढ़ियाँ बनी हुई हैं। यहाँ से त्रिपोलिया तक, मुख्य बाजार है जिसे, बजाजा बाजार के नाम से जाना जाता है।

अलवर में प्रमुख मेले व उत्सव

अलवर में भर्तृहरि, पांडुपोल, जगन्नाथजी, धोलागढ़ देवी, चूडसिद्ध, गिरधारी दास, बिलारी माता, शीतला माता, बाबा पुरुषोत्तमदास, चंद्रप्रभु, गरीबनाथ, बीरम माता के मेले आयोजित होते हैं।

मत्स्य उत्सव- अलवर जिले में सरिस्का व सिलीसेढ़ झील जैसे पर्यटक स्थलों पर पर्यटकों का जमावड़ा लगा रहा है। अधिक से अधिक संख्या में पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए यहां मत्स्य उत्सव आयोजित किया जाता है।



BALAKUILA





Facilities

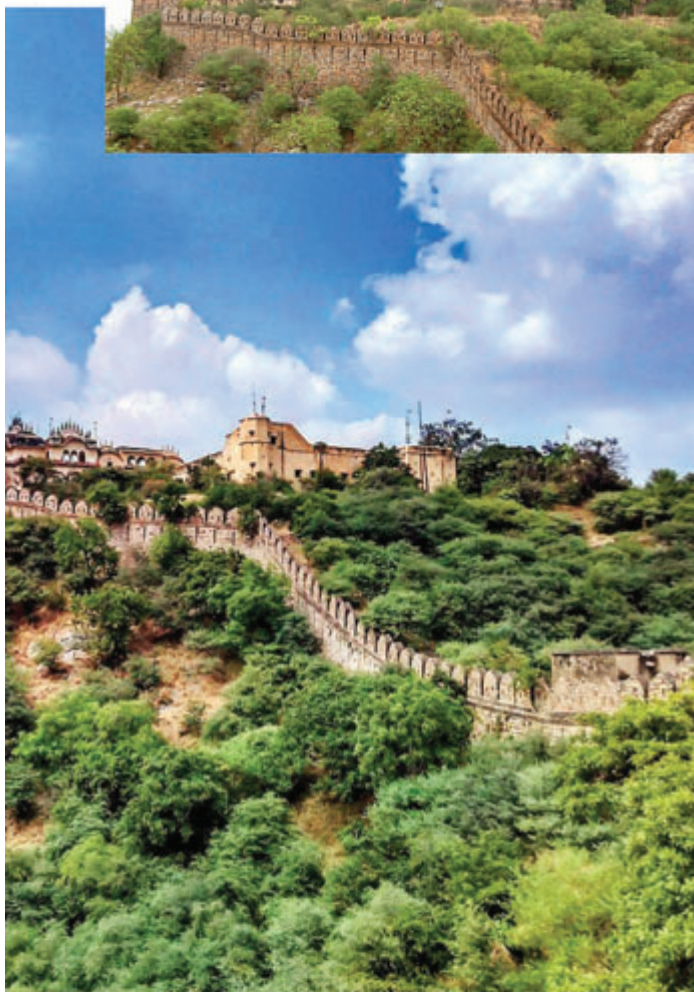
- A/C Bar
- A/C Restaurant
- A/C Rooms
- Non A/C Rooms
- Conference Hall



**24 Hours Power Backup Facilities
Inside Parking Facilities**

Sandeep Madan
Email : sandeepmadan06@gmail.com

Near Railway Station, ALWAR Ph. 0144-2335071, 2335834, 9413303909



The Alwar fort, built on a hill, about 1960 feet above the sea level, stands majestically 1000 feet above the city of Alwar. The fort was built by Hasan Khan Mewati in 1550 A.D. It passed from the Mughals, to the Marathas, to the Jats, till it was finally captured by the Kachhwaha Rajputs. The fort, from north to south is about 5 kms. long and is about 1.5 kms. wide. There are six entrances to the fort which are, Chand Pol, Suraj Pal (named after Raja Suraj Mal of Bharatpur), Jai Pol, Kishan Pol, Andheri Gate and Laxman Pol. It is said that PratapSingh, the founder of Alwar state used Laxman Pol for entering the fort for the first time. A metalled road in the past connected the city with Laxman Pol.

अलवर का दुर्ग अरावली पर्वत में सुदृढ़ प्राचीरों से घिरा है। अपनी नैसर्गिक घटा के कारण यह दुर्ग पर्यटकों के आकर्षण का केन्द्र है। माना जाता है कि 1049 ई. में आम्बेर नरेश काकिलदेव के कनिष्ठ पुत्र अलघुराय ने यहां एक छोटा दुर्ग बनवाया था, जो आज भी रावण देहरा नाम से जाना जाता है। एक अन्य मत के अनुसार अरावली पर्वत के मध्य स्थित होने के कारण इसे अर्वलपुर नाम मिला, जो अपभ्रंश होकर अलवर हो गया। इतिहासकार कनिंघम यहां साल्व जाति का आधिपत्य मानते थे, उन्ही के नाम पर यह साल्वपुर बना, जो बाद में अपभ्रंश होकर अलवर हो गया। बारहवीं शताब्दी में यहां निकुम्भ चौहानों का अधिकार रहा। बाद में यहां के शासक हसन खां मेवाती ने खानवा के युद्ध में राणा सांगा का साथ दिया। खानवा का युद्ध जीतने के बाद बाबर कुछ दिन यहां रहा। बाद में शेरशाह सूरी ने भी यहां शासन किया। मुगलकाल में यह किला अकबर के पास आया। औरंगजेब की मृत्यु के बाद भरतपुर के महाराजा सूरजमल ने इस पर कब्जा कर लिया। इन्होंने यहां सूरजकुण्ड बनवाया। 1775 में माचेड़ी के राव प्रतापसिंह ने भरतपुर की सेना को खदेड़कर दुर्ग पर अधिकार कर लिया। तब से लेकर स्वाधीनता प्राप्ति तक अलवर दुर्ग पर कछवाहों की नरुका शाखा का ही अधिकार रहा।

Luxury Hotel in Heart of City

New Tourist Hotel



2 Star
Classified
Hotel

RESTAURANT & BAR

Banquet Hall, Garden Restaurant
Delicious Food, Wi Fi
Meeting & Conference Facilities
New Well Designed & Comfortable luxury Rooms

2, Manu Marg, Alwar -301001 Rajasthan, India Phone: +91-144-2700897, +91-144-5130838
email : info@newtouristhotel.com, Website- www.newtouristhotel.com



Government Museum

The museum has the finest collection of Mughal and Rajput paintings dating back to the 18th and 19th centuries and some rare ancient manuscripts in Persian, Arabic, Urdu and Sanskrit. 'Gulistan' (the garden of roses), 'Waqiat-i-Babri' (autobiography of the Mughal Emperor Babar) and 'Bostan' (the garden of spring) are some of the notable ones amongst the collection. It also has a copy of the great epic 'Mahabharatha' painted by the artists of the Alwar School. A rich collection of the Indian Armoury are among other exhibits of the museum. Timings 10.00 hrs. to 17.00 hrs. (Closed on Fridays and gazetted holidays. Free entry on Monday). Behind the City Palace is an artificial lake built in 1815 A.D. by Maharaja Vinay Singh with few temples along its banks. A marvelous chhatra with unusual Bengali roof and arches, also known as the Moosi Maharani ki Chhatra, is situated in this area.



Breakfast **Lunch** **Dinner**



Peppers

Relish FOOD in the Lap of NATURE



Banquet



Swimming Pool



Gazebo



Restaurant

Facilities

- ▶ Birthday Parties
- ▶ Conferences
- ▶ Kitty Parties
- ▶ Celebration

Kati Ghati, Jaipur Road, Alwar
Mob.: +91 9887490946 | 9783956276

E-mail : kartikmitt@gmail.com



Fateh Jung Gumbad

फतेह जंग का गुम्बद

मुगल सुबेदार फतेह जंग का गुम्बद, रेलवे स्टेशन के पास, बहुमंजिला स्मारक के रूप में वर्तमान है, यह हिन्दू एवं मुगल वास्तु शिल्प की अनूठी कृति है। इसका विशाल गुम्बद, कलात्मक एवं दर्शनीय है। वर्तमान में यह राज्य के पुरातत्व एवं संग्रहालय विभाग के आधीन है।



Tripolia

त्रिपोलिया

होप सर्कस से सिटी पैलेस रोड पर त्रिपोलिया इमारत बनी हुई है। यह एक भव्य गुम्बदनुमा इमारत है, जिसका निर्माण नहरखान ने 1417 ई. में अपने दादा तारंग सुल्तान की याद में बनवाया गया था।



BABA

Restaurent & Hotel

Banquet Hall & Lawns Available for Parties





**Facilities : A.C. & Non A.C. Rooms
Lunch, Dinner & Break-Fast**

Mukesh Yadav : 9983721607

Ramji Lal Yadav : 9461997842

Silished, Alwar, e-mail: meet4mukesh@gmail.com



अलवर के दक्षिण-पश्चिम में 12 कि.मी. की दूरी पर, महाराजा विनय सिंह जी द्वारा, सन् 1845 में रूपारेल की सहायक नदी पर बांध का निर्माण कर एक सुन्दर जलाशय बनवाया गया। इसके चारों तरफ छतरियाँ हैं तथा यह घने जंगल में स्थित है। यहाँ पर एक छोटा महल आरामगाह के रूप में बनवाया गया था, जो अब एक पर्यटक होटल के रूप में परिवर्तित किया जा चुका है। यह सुन्दर झील, नौका विहार के लिए उत्तम है। महल में चार मंजिल नीचे एवं तीन मंजिल भूतल से ऊपर निर्मित है। महल से झील एवं पहाड़ियों की दृष्यावली बहुत आकर्षक लगती है।



Siliserh Palace hotel

The palace of Siliserh stands along a-cliff on the Jaipur road, beside a pretty lake surrounded by wooded hills. It was built as a summer resort. The lake covers an area of about 10.5sq kms.



Sariska Palace

भव्य सरिस्का पैलेस होटल जहाँ अपनी अद्भुत शिल्पकला और सुखद आवास व्यवस्था के कारण पर्यटकों को अपनी ओर आकर्षित करता है। राजस्थान पर्यटन विकास निगम के होटल होटल टाईगर डेन में भी पर्यटकों के लिए ठहरने एवं भोजन की उत्तम व्यवस्था है।

A marvellous palace was built here by Maharaja Jai Singh in honour of the duke of Edinburgh during his visit to the sanctuary. Presently, it has been converted into a hotel. RTDC Hotel Tiger Den also offers excellent accommodation at Sariska.

SILISERH



Siliserh Lake is a beautiful lake , Spread in 7 sq Kms area, Siliserh Lake is located just 165 Kms from Dhaula Kuan Delhi and 110 Kms is Jaipur, Siliserh Lake is situated in north eastern part of Rajasthan, Lake was built by maharaja Vinay Singh in year 1845 ,The Lake and reservoir of Siliserh was created by Maharaja for people of Alwar, Because water can be channeled to Alwar city A beautiful Lake palace was also built by Maharaja for his beloved wife Shila, It was used as Lake palace and huting lodge.Siliserh Lake is situated just 13 Kms from Alwar city and also can be used as stop over before you move on Sariska Tiger Reserve / Sariska National Park, Lake is that beautiful that every one want to stay for some more time, Lovely Siliserh Lake Palace provides option for stay with a breath taking view of 10.5 Kms lake, Beautiful back drops of Aravali hills adds it beauty , One can spend many hours by just having a look of the lake from Terrace of Lake Palace Siliserh.



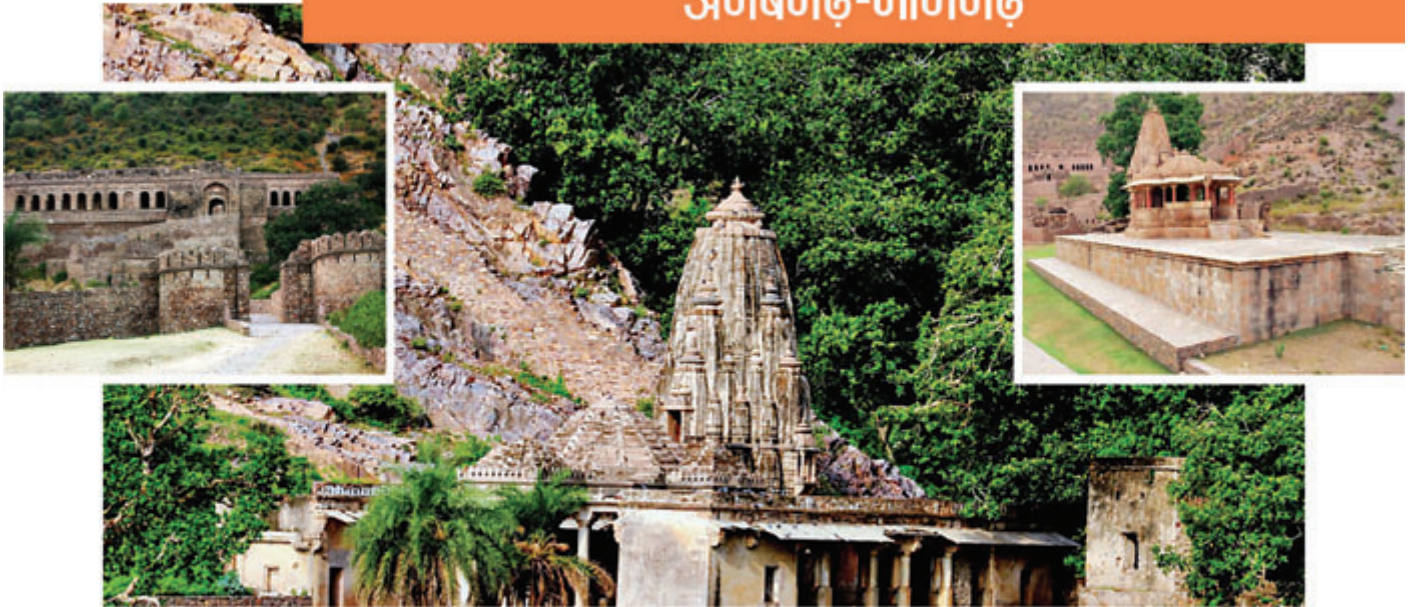
अलवर से 45 कि.मी. की दूरी पर, सिरिस्का वन क्षेत्र में पहाड़ियों के बीच स्थित, यह स्थान पांडवों से जुड़ा हुआ है। यहाँ पर स्थित हनुमान मन्दिर में बहुत से दर्शनार्थी आते हैं तथा अगस्त के महीने में यहाँ मेला लगता है। वर्षा के मौसम में यहाँ पानी का झरना बन जाता है तथा सारा दृश्य सुहावना लगता है।

Pandupol



The metal road starting from the sariska sanctuary gate ends at this Hanuman temple. Pandupol or the Pandu gate stands where the cascading spring emerges from hard and compact rocks. It is said to have given shelter to the Pandava brothers when they were on exile.

अजबगढ़-भानगढ़



आमेर के महाराजा भगवानदास ने सन 1631 वि. में भानुगढ़ को बसाया था। उनके द्वितीय पुत्र माधवसिंह ने सन् 1599 ई. के आसपास भानुगढ़ को अपनी राजधानी बनाया और आमेर से पृथक् भानुगढ़ राज्य की स्थापना की। इसके बाद उसका पुत्र सत्रुखल भानुगढ़ की गद्दी पर बैठा। तदुपरांत अजबसिंह, हरिसिंह, काबुलसिंह, जसवन्त सिंह आदि क्रमानुसार यहां के शासक बने। सन् 1720 ई. में जयपुर नरेश सवाई जयसिंह ने भानुगढ़ पर चढ़ाई करके जसवंत सिंह को पराजित कर यह प्रदेश छीन लिया। भानुगढ़ में खण्डहर अब भी बने हुए हैं। भानुगढ़ के उजड़ने में एक किम्बदन्ती है कि इस नगर में एक जादूगर आया था। राखी की दासी उनके लिये तेल लेने बाजार गई तब जादूगर ने उस दासी से तेल को लेकर मंत्र पढ़कर वापस लौटा दिया। बर्तन में तेल धूम रहा था। इस कारण राखी को कुछ संदेह हो गया। उस तेल को एक शिला पर डालने का आदेश राखी ने बांदी को दिया। जैसे ही तेल शिला पर पड़ा तो शिला उड़कर जादूगर के पास पहुंच गई और उसे मार दिया। राखी ने नगर को उजड़ने का श्राप दे दिया। सभी व्यक्ति ज्यों से त्यों पत्थर के हो गए।

HOTEL MOTI DUNGRI PALACE

hotelmotidungripalace@gmail.com

RESTAURANT

BENQUET

FULLY AC ROOM



- 24 Hours Room Service • 24 Hours Power Backup
- Multi Cuisine Restaurant • Banquet Hall
- Deluxe A/C Room • Bala quila Safari
- Sariska Safari • On Call Doctor • Bone fire
- Kiti Party • Rajasthani Folk Dance



Hari Singh Yadav : 9636418051, Mohit Sharma : 7062798894

20 Moti Dungri, Moti Dungri, Alwar

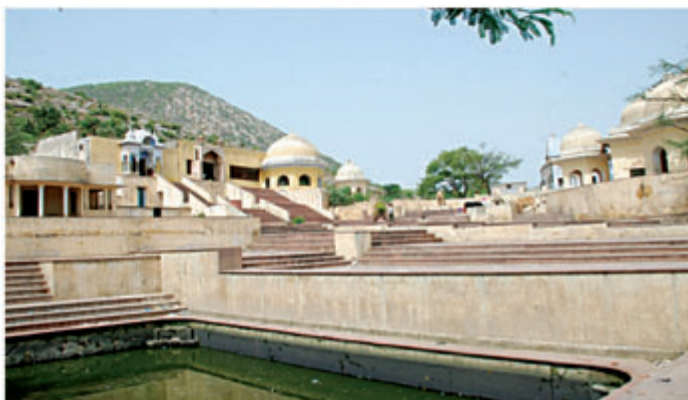
BHANGARH Once upon a time



Ajabgarh is located 40km along the road to Sariska from Dausa. In fact it is; three km from this road to be approached through a dirt track. It's a broken country with stones littered all around. The walls of the main city road have been rebuilt thanks to the archaeology department. Thus one can easily see the extent of town planning concept of the ancient ruler has put in practice of Ajabgarh. The city should have been a two storied complex with shops dotting both sides of the main road.

A few arch gates with impeccable stone carving as well as relief craft stand to this date. The trees provide balmy shade to a visitor who might feel a little bit tired after the arduous journey.

तालवृक्षः



अलवर- नारायणपुर मार्ग पर करीब 35 किलोमीटर दूर तालवृक्ष एक सुरम्य स्थल है। पहाड़ों की गोद में सघन वृक्षों से आच्छादित इस स्थान को महान् ऋषि मांडव्य ने अपनी तपोस्थली बनाया था। प्राकृतिक सौंदर्य को देखने प्रति वर्ष यहां हजारों सैलानी आते हैं। गंगा माता का प्राचीन मंदिर व उसके नीचे बने ठंडे पानी के कुंडों के कारण इस स्थल का आकर्षण बढ़ गया है।

नन्दलेश्वरः



अलवर
के दक्षिण में 25 किलोमीटर दूरी पर पहाड़ियों के बीच, गुफा में नन्दलेश्वर का मन्दिर है। यहाँ पर, दो प्राकृतिक जल कुण्ड स्थित है, जिनके कारण वर्षा ऋतु में यह बहुत ही चित्राकर्षक दृश्य प्रस्तुत करता है।



Non AC Rooms

शुप्ता झील

रेस्टोरेंट एण्ड होटल

फास्ट फूड, लंच डीनर
स्पेशलिस्ट: दाल- बाटी, चूरमा

सीलीसेढ़, अलवर फोन: 0144-2886055, 9468617653

Sariska



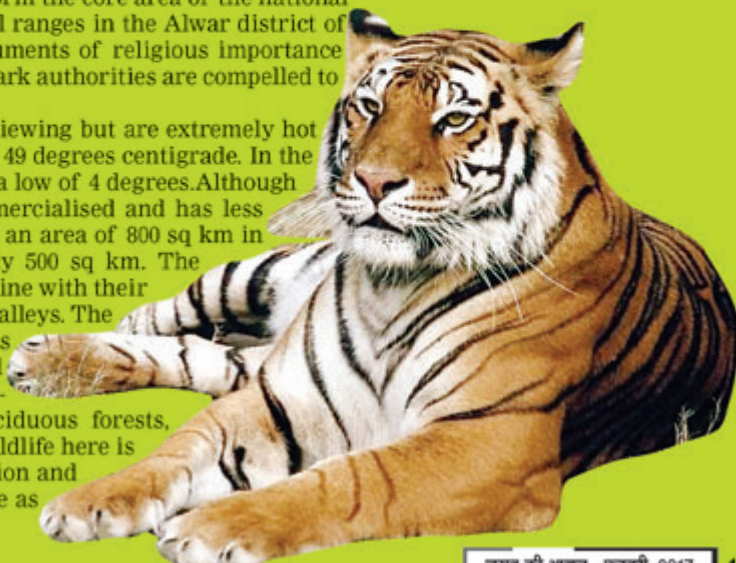


सरिस्का बाघ परियोजना

अरावली पर्वत शृंखलाओं के मध्य 1955 में सरिस्का अभयारण्य में बाघों के सुरक्षित क्षेत्र टाइगर सेंकुरी की स्थापना टाइगर प्रोजेक्ट के तहत की गई। सरिस्का में बाघों के लुप्त होने के चलते बाघ पुनर्वास योजना तैयार की गई है। सरिस्का उद्यान हरे कबूतरों के लिए प्रसिद्ध है।

Sariska is probably one of the most visited parks in India. Unfortunately though, the main reason for this is not wildlife enthusiasm but only its excellent proximity to some large towns like Delhi and Jaipur. The park was, as with many other parks, the hunting reserve of the royal family in the area. In this case, it was the Royal family of Alwar Rajasthan. The reserve was declared a wildlife sanctuary in 1958 and came under the "Project Tiger" as a Sariska tiger reserve in 1979. The park covers quite a large area of 800 square kilometers, 480 square kilometers of which form the core area of the national park. It is located among the Aravalli hill ranges in the Alwar district of Rajasthan. Due to the presence of monuments of religious importance located within the park boundaries, the park authorities are compelled to keep the park open throughout the year.

The summer months are better for animal viewing but are extremely hot with temperatures going up to as high as 49 degrees centigrade. In the winter months, the temperature touches a low of 4 degrees. Although larger than Ranthambor, it is less commercialised and has less tigers but a similar topography. It covers an area of 800 sq km in total, with a core area of approximately 500 sq km. The Northern Aravali Hills dominate the skyline with their mixture of sharp cliffs and long narrow valleys. The landscape of Sariska comprises of hills and narrow valleys of the Aravali hill range. The topography of Sariska supports scrub-thorn arid forests, dry deciduous forests, rocks and grasses. The broad range of wildlife here is a wonderful example of ecological adoption and tolerance, for the climate here is variable as well as erratic.



Wood Village at Fatehgarh Farm

WEDDINGS & EVENTS



Fateh Garh
Farm

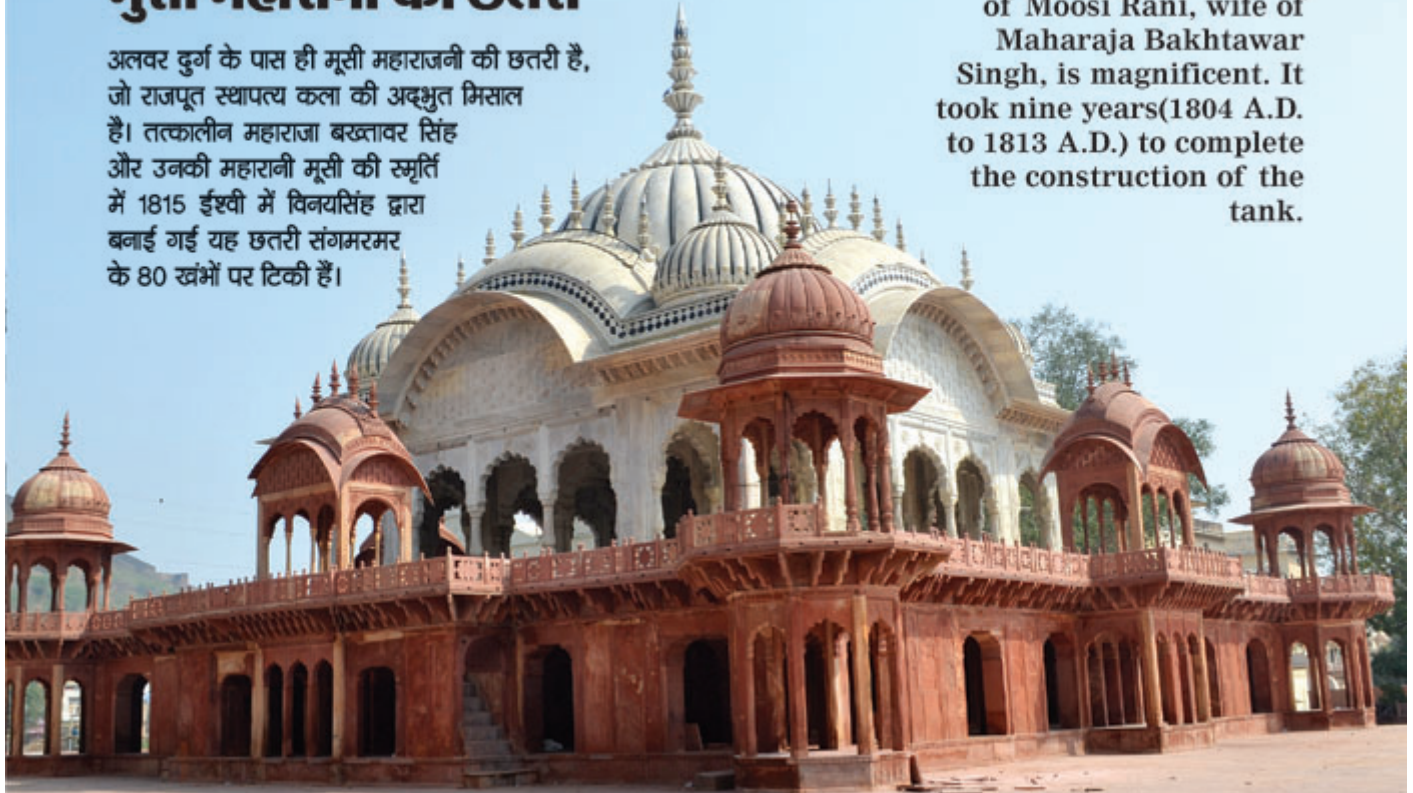
Hotels & Guest House

Fatehgarh, Siliserh Lake Road, Near Dhivaru Ki Dhani
Alwar | Rajasthan | India Ph. : +91 9462749993, 9871125217, 7597790116

मुसी महारानी की छतरी

अलवर दुर्ग के पास ही मूसी महाराजनी की छतरी है, जो राजपूत स्थापत्य कला की अद्भुत मिसाल है। तत्कालीन महाराजा बख्तावर सिंह और उनकी महारानी मूसी की स्मृति में 1815 ईश्वी में विनयसिंह द्वारा बनाई गई यह छतरी संगमरमर के 80 खंभों पर टिकी है।

A chhatra built in memory of Moosi Rani, wife of Maharaja Bakhtawar Singh, is magnificent. It took nine years (1804 A.D. to 1813 A.D.) to complete the construction of the tank.



Sunrise Resort

A Unit of Prem Sagar Resorts Pvt. Ltd.

- Banquet Hall ■ Party Loan ■ Ring Ceremony
- Conference hall ■ Birthday & Kitty party Special Arrangement

अब नये
अंदाज में ...

- Executive Super Delex Room (AC)
- Family Restaurant (AC),
- Transportation Assistance
- Power Backup
- Multi Channer LCD



A one Food Catering Events Entertainment Service Catering Wedding Planner

Kati Ghati, Jaipur Road, Alwar (Raj.) Website : www.sunriseresorts.in
E-mail : sunriseresortalwar@rediffmail.com Ph. 0144-6451234, 9166665588

Event &
Entertainment

पर्यटन को लगे विकास के पंख

अलवर वासियों की उम्मीद की निगाहें आपकी ओर हैं। दिल्ली के नजदीक होने व एनसीआर का हिस्सा होने के बावजूद भी अलवर का विकास एनसीआर के अनुरूप नहीं हो पाया है। किंतु आपके द्वारा किए जा रहे प्रयास निश्चित रूप से रंग ला रहे हैं। अलवर जिला पर्यटन व उद्योगों के लिहाज से अद्वितीय है बस जरूरत है सही प्रयास व सही दिशा की। पर्यटन की वहां विपुल संभावनाएँ हैं जिनकी नैसर्गिक सुंदरता बरकरार रखते हुए अपने विकास निखार एवं आकर्षण हेतु आपके सहयोग एवं मागदर्शन की अपेक्षा रखता है। अलवर के ऐतिहासिक स्थल बालाकिला, मूसी रानी की छतरी, संग्रहालय, फतेहगंज की गुम्बद, विजय मंदिर पैलेस, लाल डिग्गी तरणताल, जयसमंद झील, सिलीसेढ़ झील, सरिस्का अभयारण्य, कांकवाड़ी फोर्ट, अजबगढ़-भानगढ़,

नीलकंठ जी आदि ऐसे अनेक दर्शनीय स्थल हैं। जिनका विकास पीपीपी मॉडल के आधार पर पर्यटन के माध्यम से रोजगार को बढ़ावा दिया जा सकता है। सर्वप्रथम उक्त सभी जगहों की सड़के, विद्युतीकरण, साफ-सफाई व सुरक्षा का माकूल प्रबंध करना होगा। तत्पश्चात वहां रह रहे लोगों को अतिथि देवा भवः के सिद्धांत पर पर्यटकों से कैसा व्यवहार किया जाये की सिखाने की आवश्यकता है। जब पर्यटन से वहां के लोगों को रोजगार मिलने लगेगा तो वे खुद-ब-खुद इससे जुड़े चले जाएंगे। ग्रामीण परिवेश को बढ़ावा देने वहां हैण्डी क्राफ्ट का हाट-बाजार का विकास करना आदि ऐसे अनेक कार्य हैं जिनसे पर्यटन विकास पर चार चाँद लगाये जा सकते हैं।



अतीत के रेशमी पर्दे से झांकता अलवर

राजस्थान के पूर्वोत्तर सीमान्त में स्थित अलवर जिला एक सामान्य



चतुर्भुजात्मक क्षेत्र है, जो उत्तर में हरियाणा के गुड़गांव तथा महेन्द्रगढ़, पूर्व में भरतपुर व सवाईमाधोपुर तथा दक्षिण व पश्चिम की ओर जयपुर जिले की उत्तरी तहसीलों से घिरा हुआ है 7695 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में विस्तृत इसका परिक्षेत्र राजस्थान का 2.3 प्रतिशत क्षेत्र घेरे हुए है। अलवर बस्ती की स्थापना एवं उसके नामकरण के विषय में लेखकों ने मत मतयान्तर रहा है किन्तु उनमें से अधिकतर

शब्दिक खेंचतान के अलावा कुछ परिणाम प्रस्तुत नहीं कर पाए। जैसे कुछ का मानना है कि अलपुर का अर्थ सुवृद्ध नगर अरवल (अरावली पर्वत श्रेणियां) वह कुछ तो अरावल खान खानजादा अलाउद्दीन खिलजी, अलवा निकुंम, आलुनाथ अथवा आल्हण देव चौहान को इसका स्थापक मानते हैं।

A Heritage Hotel

Burja Haveli




Special Arrangement for
Royal Weddings

Now Heritage Bar Open

Vill. Burja, Rajgarh Road, Alwar-301001 Rajasthan (India) Ph. : +91-144-2888140, 5131288
 Fax : +91-144-2888390, Mobile : +(91)-9928026521, 9828154298
 E-mail : upendra_singh84@yahoo.com, info@burja-haveli.com, website: www.burja-haveli.com

राजस्थान का सिंहद्वार अलवर जो देश के राजधानी दिल्ली व प्रदेश की राजधानी जयपुर के मध्य स्थित है। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के अन्तर्गत आने वाला यह क्षेत्र अपनी भौगोलिक स्थिति से पर्यटन विकास की बाट जोह रहा है। दिल्ली मुम्बई रेल मार्ग से जुड़ा यह क्षेत्र दिल्ली, आगरा, जयपुर, भरतपुर इत्यादि क्षेत्रों को राजमार्ग से जोड़ता है। अतः यह कहने में कोई अतिशयोक्ति नहीं कि अलवर देश एकदम मध्य में सौम्य वातावरण लिए हुए एक शान्तिप्रिय क्षेत्र है जो देशी व विदेशी पर्यटकों का मन मोहने व आकर्षित करने में सक्षम है। जरूरत है अलवर जिले को पर्यटन के लिए विशेष पैकेज प्रदान कर विकसित किया जावे ताकि अलवर क्षेत्र का विकास हो सके एवं राजस्थान के सिंहद्वार होने की सार्थकता सिद्ध कर सके। अलवर अपनी ऐतिहासिक पृष्ठभूमि व पौराणिक तपोभूमि के कारण देश-विदेश से पर्यटकों को आकर्षित करता है एवं पर्यटक राजस्थान के सिंहद्वार में भ्रमण के लिये यहां प्रतिवर्ष लगातार आते हैं एवं यहां ऐतिहासिक व पौराणिक गाथाओं के स्थानों के साक्षात् दर्शन करने का एकमात्र नुस्खा है कि पर्यटन स्थलों को विशेष पैकेज के माध्यम से विकसित किया जावे, उनका पर्याप्त रखरखाव किया जावे ताकि देश में आने वाले पर्यटक राजस्थान के सिंह द्वार के स्थलों का आनंद लेना ना भूले। अलवर जिले की सीमा में राजस्थान का सिंहद्वार होने के प्रतीक के रूप में सड़क मार्गों पर भव्य प्रवेश द्वार सर्वप्रथम बनाये जाने चाहिए एवं अलवर शहर



के सार्वजनिक स्थलों पर भित्ति चित्रों के माध्यम से पर्यटन स्थलों को दर्शाना चाहिए। जिले के सरकारी कार्यालयों, सूचना केन्द्र, बस स्टैंड, रेलवे स्टेशन व अन्य सार्वजनिक स्थलों इत्यादि स्थानों पर जिले के पर्यटन स्थलों के फोटोफ्रेम व पेन्टिंग की जानी चाहिए ताकि पर्यटक आकर्षित हो सके। इसमें पर्यटन विभाग, नगर विकास न्यास, नगर परिषद को भी अपनी विशेष भूमिका निभाने की आवश्यकता वर्तमान में राज्य व केन्द्र सरकार में भी अनुकूल स्थिति है। पर्यटन विकास से जिले को दूरगामी परिणाम प्राप्त होंगे जिनमें क्षेत्रीय लोगों को रोजगार के अवसर तो प्राप्त होंगे ही, विश्व स्तर पर पर्यटन के पटल पर आने से देशी विदेशी उद्यमी भी जिले की ओर आकर्षित होंगे, परिणामस्वरूप जिले का चहुँमुखी विकास का द्वार खुल जावेगा।

डी.आर.गुप्ता

बी-146, मालवीय नगर, अलवर

राजस्थान के सिंहद्वार अलवर में पर्यटन की संभावनाएं

FESTIVAL & FAIR

Summer Festival, Mount Abu

Start Date: 09/06/2017 End Date: 10/06/2017
Mount Abu in Rajasthan is touched by a festive mood on the eve of the Summer Festival that is held every year in the month of June.

Mewar Festival, Udaipur

Start Date: 29/04/2017 End Date: 31/04/2017
Mewar Festival celebrated in Udaipur, India is a festival that marks the advent of spring. The festival is an integral part of the culture

Mahaveerji Fair, Mahaveerji

Start Date: 09/04/2017 End Date: 09/04/2017
Mahaveerji Fair is one of the most celebrated festivals in Rajasthan. The celebration is mainly held in honor of the 24th Jain tirthankara

Pushkar Fair, Pushkar

Start Date: 28/10/2017, End Date: 04/11/2017
One of the most famous festival in Rajasthan which is celebrated every year in the starting of winter season.

Ajmer Sharif, Ajmer

Hordes of pilgrims travel to the famous Ajmer Sharif dargah, which is situated to the west of Jaipur in Rajasthan.

Holi in Rajasthan, Rajasthan

Start Date: 13/03/2017, End Date: 13/03/2017
Even though the charms of Holi are innumerable, its magic inescapable and its vibrancy unavoidable, the appeal the festival has in Rajasthan

Brij Festival Bharatpur, Bharatpur

Start Date: 07/03/2017 End Date: 08/03/2017
Bharatpur is one of the states in Rajasthan which is founded by Maharaja Suraj Mal. The state was founded in 1733, which is situated in the Brij

Elephant Festival Jaipur, Jaipur

Start Date: 13/03/2017 End Date: 13/03/2017
One of the most renowned festivals celebrated in Rajasthan, the Elephant Festival is an annual festival held every year in the Pink City, Jaipur

Flamenco And Gypsy Festival, Jodhpur

Jodhpur Flamenco and Gypsy festival is one of the most popular and biggest events celebrated in Rajasthan. The prime objective of the festival

Desert Festival Jaisalmer, Jaisalmer

Start Date: 08/02/2017, End Date: 10/02/2017
The Jaisalmer Desert Festival is an annual event that take place in February month in the beautiful city Jaisalmer. It is held in the Hindu month

Alwar Festival, Alwar

Start Date: 13/02/2017, End Date: 17/02/2017
Alwar Festival, is the most popular festival in Alwar held from February 13 to February 15th annually by the district administration to promote

Karni Mata Mela, Bikaner, Rajasthan

Karni Mata Mela is a famous festival in India. It is a festival dedicated divine Karni Mata. Worshipping Karni Mata is regarded auspicious by the Shilpgram Crafts Mela Udaipur, Udaipur Rajasthan is not only popular for its sprawling forts and palaces but it is equally famous for its rich culture and heritage

Camel Fair Bikaner, Bikaner

Start Date: 14/01/2017 End Date: 15/01/2017
Camel Fair, Bikaner is a sought after event in Rajasthan. Organized by the Department of Tourism, Art and Culture

Winter Festival in Mount Abu, Mount Abu

Start Date: 29/12/2016 End Date: 30/12/2016
Rajasthan is a place rich in culture and tradition. Besides the numerous tourist attractions, the rich culture and tradition

International Kite Festival Jaipur, Jaipur

Start Date: 13/01/2017 End Date: 14/01/2017
The International Kite Festival, Jaipur is one of the most-attended festivals in Rajasthan.

Marwar Festival Jodhpur, Jodhpur

Start Date: 25/10/2017 End Date: 26/10/2017
Rajasthan features in the list of the top tourist destinations in the world.

Nagaur Fair, Nagaur

Start Date: 01/02/2017 End Date: 04/02/2017
The largest state of India, Rajasthan has dotted with fort and palaces, fascinating wildlife

Kallaji Fair, Banswara

Kallaji Fair is the annual fair in the Banswara district of Rajasthan. The fair is very popular among the local people of the area.

Kaila Devi Fair, Karauli

Rajasthan is one of the most beautiful tourist destinations in the world.

Kajli Teej, Bundi

Start Date: 09/08/2017 End Date: 10/08/2017
Rajasthan is a dream destination for tourists.

Kolayat Fair, Bikaner

On visiting Rajasthan, you will come across a perfect blend of tradition and modernity. The various world class hotels are a perfect example of... read more"

Baneshwar Fair, Dungarpur

Start Date: 07/02/2017 End Date: 10/02/2017
Rajasthan is a popular destination for foreign tourists.

Banganga Fair, Jaipur

Jaipur is the capital of Rajasthan. The variety of attractions in Jaipur also makes it a famous city in Rajasthan.

Bandi Utsav, Bundi

Bundi is a picturesque location in the Hadoti district of Rajasthan.

Teej Festival, Jaipur

Start Date: 24/08/2017 End Date: 24/08/2017
Teej Festival is also known as 'the festival of swings'.

Chandrabahga Fair Jhalawar, Jhalawar

Located in southeastern Rajasthan it is one of the princely states.

Gogamedi Fair, Rajasthan

Start Date: 16/08/2017 End Date: 16/08/2017
Gogamedi Fair is one of the larger fairs held in India.

ALWAR'S

The princely state of Alwar was founded by Rao Raja Pratap Singh at Machedi in the year 1775 CE. He died in 1790 CE. His adopted son Rao Raja Bakhtawar Singh ascended the throne of Alwar in 1790 at the age of 15. He died in 1814 CE. This prince, during one of his rural campaigns, happened to see a village girl with whom he was totally infatuated and took her to his palace in a 'dola', or a palanquin. She became the Maharaja's favourite mistress and was known as 'Moosi Rani'. In 1808 CE, she gave birth to a son named Balwant Singh and a girl named Chand Bai. It was her wish that her offspring should be married into pure Rajput families. Accordingly, Balwant Singh was married to a daughter of the Chauhan Thakur of Kishanpur near Silisedh lake and Chand Bai was married to Chauhan Thakur of Tatarpur. Rani Mossi became Sati, and thereby earned the title of maharani. Her son too earned the title of 'Maharaja'. After the death of Bakhtawar Singh, territory of Alwar state was divided into two parts. Two-third of the territory with capital at Alwar city was awarded to his nephew Maharaja



Viney Singh, and the remaining one-third of the territory consisting of the Parganas of Tijara, Kishangarh, Mandhan, Karnikot and Mundawar – with its capital at Tijara – was awarded to Maharaja Balwant Singh. The jagir of Tijara and Alwar had been given to Alawal Khan, a Khanzada, by Bahlol Lodi of Delhi. The Khanzadas had converted to Islam during Firuz Shah Tughlaq's reign. Alawal Khan was succeeded by his son Hasan Khan Mewati, who had sided with Ibrahim Lodi and Rana Sanga who were vanquished in their battles against Babar, the founder of Mughal dynasty. This was in the years 1525 CE and 1527 CE respectively. In 1835 CE Balwant Singh started the construction of a Fort-Palace after the name of his

mother Moosi Maharani as well as a grand Hawa Mahal. Famous architects and masons from Kabul and Delhi were engaged for its construction. Because of the premature death in 1845 CE – probably from murder, the construction remained incomplete till now when it has been leased to Neemrana Hotels to restore, complete and run it as a heritage hotel.

Maharaja Balwant Singh was a very kind-hearted and benevolent ruler. He was very popular among the citizens. There were famous artists and poets in his court. Before starting the Fort-Palace complex on the hills, he has laid out gardens and constructed a beautiful palace for himself. He was a lover of elephants and horses.

NEEMRANA

FORT



नीमराणा फोर्ट

अलवर निर्माण के बाद से 1464 ई., नीमराणा फोर्ट पैलेस भारत की सबसे पुरानी विरासत रिसोर्ट्स के रूप में विकसित है। नीमराणा पृथ्वीराज चौहान तृतीय, जो 1192 ई. में मोहम्मद गोरी द्वारा युद्ध में मारा गया था उसकी सन्तान के बाद तीसरी राजधानी बन गया। यह प्रार्थना की सुरम्य साइट राजा Rajdeo और नीमराणा द्वारा चुना गया था एक बहदुर स्थानीय नेता निमोला मेव, जो जब चौहान से हार से अपने नाम व्युत्पन्न कि उसका नाम अपने राज्य को खो दिया है। यह राजस्थान नई दिल्ली, 22 किमी की दूरी पर स्थित से निकटतम महल है। राजमार्ग पर जयपुर - दिल्ली के अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से केवल 100 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। एक प्रतापी पठार पर स्थित पुरानी अरावली पर्वतमाला से सुशोभित है।

F O R T

KAKBADI FORT

Dadhikar Fort



डहीकर फोर्ट 10 वीं शताब्दी में अरावली पर्वत श्रेणी अलवर में बनाया गया था। इसे नये स्वरूप में ओरिजनलिटी बरकरार रखते हुए वही पुराने तौर पर 2007 में तैयार किया गया। यह नई दिल्ली से 152 किमी की दूरी पर अलवर में स्थित है। इसमें फैमिली की सभी सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए कमरों का निर्माण कराया गया। सभी मॉडर्न सुविधाएं इस किले में उपलब्ध हैं। यह अरावली पर्वत श्रेणियों से घिरा हुआ टॉप पर है। यह अलवर शहर से 7 किमी दूरी पर डहीकर गांव में है।

फतेहगढ़ फार्म

फतेहगढ़ फार्म वुड विलेज के नाम से जाना जाता है इसमें आठ कमरों हैं। जो कि वुडन वर्क से तैयार किये गए हैं। फतेहगढ़ फार्म 30 बीघा में फैला हुआ है। इसमें 5 बीघा में पार्क बना हुआ है और 10 बीघा में ऑवले व नींबू के बाग हैं। फतेहगढ़ फार्म में झील भी है। जिसमें वोटिंग भी कर सकते हैं। कुछ बीघा में सब्जियां व गेहूं बोया जाता है। जिससे ट्यूरिस्ट को शुद्ध सब्जियां खाने में मिल सकें यहां पर शादी व पार्टियां के लिए बुकिंग की भी सुविधा है।



कांकवाड़ी स्थान का इतिहास सन 202 वि. का होने का उल्लेख मिलता है। उस समय राजा वैन वड़गुजर ने तालाब के लाल पानी को सफेद करने के लिये अपने पुत्र और पुत्रवधू की बलि दी थी तथा उनकी यादगार में एक भवन भी बनवाया था। कालान्तर में जयपुर के महाराजा सवाई जयसिंह ने कांकवाड़ी स्थान को रमणीय समझकर यह किला बनवाया था। इस किले के पास जयसिंह की रूढ़ी हुई रानी का भी महल है, जो महाराज से नाराज होकर इस स्थान पर आ गई थी। अलवर राज्य के संस्थापक महाराजा प्रतापसिंह ने सन् 1873 ई. में किले का जीर्णोद्धार करवाया था। यह किला जीर्णोद्धार में अब भी विद्यमान है। कांकवाड़ी किला पहाड़ पर स्थित है जिसमें चार बुर्ज हैं। यहां पानी के झरने भी हैं तथा पहाड़ में असावारी और कावेरी दो पार्टियां भी हैं।



केसरोली फोर्ट

14 वीं सदी में बना केसरोली फोर्ट भारत में सबसे पुरानी विरासत स्थल के रूप में है। इसकी प्राचीर जो 50-65 मीटर की दूरी पर / 150-200 चरणों में वृद्धि से शानदार कृषि विचार पर स्थापित है। अलवर और सरिस्का के अभयारण्य के अलावा केसरोली फोर्ट भी पर्यटकों के लिए यात्रा हेतु उत्तम स्थल है। राजपूत, भगवान कृष्ण, जो मध्य 14 वीं शताब्दी में इस्लाम में परिवर्तित करने Khanzadas कहलाने के वंश द्वारा निर्मित किया गया है प्रतिष्ठित दुर्ग है। यह बाद में यह उनके हाथों से चला गया, मुगलों और जाटों द्वारा 1775 में राजपूतों के हाथों में लौटा जब अलवर के राजसी राज्य की स्थापना की गई थी इस किले ने राणावत ठाकुर भवानी (1882-1934) सिंह, उनके घुड़सवारी के लिए प्रसिद्धि के तहत स्वर्णिम दौर देखा है।

KESHROLI



भारतीय जनता की रसप्रधान समग्र चित्र राजस्थानी चित्रकाल शैली में तथा कालान्तर में उसी से अनुप्राणित हिमाचल चित्र कला शैली में प्राप्त होता है।

'राजस्थानी चित्रकला की सुन्दर कृतियों को देखते हुए हमारे मन में ऐसा भाव उत्पन्न होता है कि राधाकृष्ण की पवित्र लीला लोक हमारे जीवन की अनुभव भूमि है।'

राजस्थानी चित्रशैली स्त्रियों की सुन्दरता की खान है।

भारतीय नारी के आदर्श सौन्दर्य की उसमें पूरी छटा

है। कमल की तरह उत्कुल्ल

बड़े नेत्र, लहराते हुए

घने केश, उभरे हुए

स्तन, दीर्घ कटि

और ललित



अलवर शैली

अलवर शैली के चित्रों में मुगल सम्राटों के और उनके अधिकारियों के चित्र, रागिनली के चित्र आदि स्थानीय संग्रहालय में सुरक्षित है।

जब औरंगजेब ने अपने दरबार की सभी कलात्मक प्रवृत्ति यों को तिरस्कृत रूप से देखना शुरू किया, तो राजस्थान की और आने वाले कलाकारों का प्रथम दल, अलवर में टिका, क्योंकि मुगल दरबार से यह राज्य सबसे निकटतम था। मुगल शैली का प्रभाव वैसे तो पहले से यहाँ पर था, पर उस स्थिति में यह प्रभाव अधिक बढ़ गया।

अंगवस्त्र का चित्रों द्वारा सुन्दर अंकन किया गया है। भारतीय स्त्री के हृदय में प्रेम का अटूट भण्डार है। उसका प्रभाव मानों इन चित्रों में बह कर निकल रहा है। लाल, पीले, हरे बैंगनी, किरमिजी, काले, सफेद और सुनहरी रंगों की रंगाई चित्रों को अत्यंत मनोहर बना देती है। राजस्थान चित्रों के विषय बहुत विस्तृत है। राधा-कृष्ण की लीला, अनेक प्रकार की नायक-नायिकाएं रामायण-महाभारत की कथाएं, स्त्री पुरुषों के शृंगार भव, ऋतुओं के चित्र और बारहमासा तथा राजाओं की प्रतिकृतियां या छवि इन चित्रों के विस्तृत विषय हैं। लेकिन इनकी सबसे बड़ी विशेषता रागमालाओं का चित्रण है, जिसके लिए राजस्थानी चित्रकाल शैली भारतीय चित्रकला में अनोखा स्थान रखती है।



Matsya Aravali

M.I.A. Alwar



• Rooms • Serviced Apartments • Bar • Cafe • Lawn & Banquets

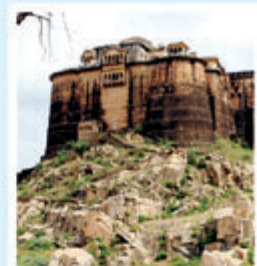
Opp. Engg. College, MIA, Alwar Contact : 0144-2881044, 9828112101, 8739901788

SHIMLA

खूबसूरत अलवर

अलवर के कम्पनी बाग में सन् 1885 में तत्कालीन महाराज मंगलसिंह द्वारा निर्मित यह शिमला देशी-विदेशी पर्यटकों को तो अपनी ओर आकर्षित करता है। साथ ही अपनी अनूठी विशेषताओं के कारण पूरे भारत में इसका कोई सानी नहीं है। यह जमीन से पच्चीस फीट गहरे 380 फुट लम्बे 288 फीट आयताकार गड्ढे में रंग-बिरंगे फूलों से गुफित लता मंडपों से आच्छादित है। इसमें जगह-2 फव्वारे लगे हुए हैं। जिन्हें चला देने पर वर्षा की झड़ी सी लग जाती है। इस विशाल गुम्बदनुमा शिमला का जो मनोहारी दृश्य उभरता है। वह देखने लायक है।

अलवर आस-पास



Mayur Hotel

Marriage Home

- Gapshop
- Conference Hall
- Mayur Vatika
- Trishna Bar

Lagan Terrace



Dheeraj
9314157030
9314020158

Bhawani Tope Circle, Alwar, (Raj.) 3001001, Ph. :2702205

luxury resort in Alwar

Alwarbagh by Aamod...

A retreat away from home, closer to wilderness and the green, Aamod brings to you Alwarbagh @ Sariska, in the lap of nature, its luxury resort. The resort is surrounded by the Aravalli Mountains, giving it the perfect setting for a complete family experience. There are 38, well designed rooms, dressed in the Heritage style offering all the modern conveniences Aamod stands for. Rooms ranging from Super Deluxe to Deluxe to Standard are all spacious and tastefully design to pamper you. Each is equipped with Room Conditioning and Heating as per the weather and has provision for an extra bed. Super Deluxe rooms (Suites) are pool facing and on the first floor. Deluxe and Standard Rooms are neatly tucked away into blocks well-arranged across the resort. Facilities like activity spaces, Restaurant, Pool and Spa are easily accessible from all rooms across the resort.

Our critically acclaimed Colonial restaurant, features cuisines from Rajasthan and hills in addition to the regular Indian, Chinese and Continental. You can choose to dine under the star-studded sky or warm up by the bonfire or choose your place of dining. We assure you, we can create a unique and special dining experience for any occasion. Our chefs are foodie memories for our guests. You choose a place, we will serve you there. And that's our USP. You can focus on creating happy memories with your loved ones. You could connect with us to organize your Foodie meet-ups or Food Blogging events at our resorts. We would love to create programs for your group. Our only motto is to leave our guests with happiness and pleasure and the Restaurant team will do their best to create it for you.

Our Spa is a promise to de-stress and unwind. Our spa is well-known for its healing and therapeutic treatments. Our spa team is well-trained and groomed to manage any special requests from our guests. There is a special rate for Spa experiences if you pre-book, hence do not forget to ask about it to our Reservations Desk / Sales Team.

What make this resort special are the sheer activities available for our guests outside and on the resort. Our Activity and Adventure

team has put together a series of activities like Table Tennis, Pool, Fussball, air hockey and outdoor like volleyball, basketball, cricket and badminton. Paintball and Remote controlled Race cars are signature features of



Aamod @ Sariska. Rock climbing, rappelling and other adventure activities are managed by a professional team. This resort also provides opportunities for numerous activities outside the resort - from visiting historical monuments to the exploration of wildlife and nature trails etc. Our Swimming Pool, one of the leisure facilities that the resort hosts is located amidst lush green gardens and a view of the Aravallis. The games and adventure courses are planned across all age-groups and you can speak to our team upon check-in or pre-book when you opt to stay with us. Our array of Indoor Games will keep you engaged in a happy way. Upon request, kite flying, tree plantations, cookery classes, camel cart rides, village walks, visit to the City Palace and Museum visits can be planned as per your convenience. For those guests who need to experience the local flavour of Alwar we ensure they enjoy Local Cultural Shows at the Resorts itself.

If you are a couple celebrating your anniversary, celebrating a special moment or visiting us for a togetherness experience, please inform us before-hand so we can create the perfectly unforgettable unwind experience for both of you. Our unwind experience combined with gastronomic food and adrenaline pumping adventures will create an absolutely unforgettable memory of your stay with us.

For the birder, photographer and nature-lover at heart, safaris to the Sariska National Park is a must.





Best Destination Wedding Venue

Indian weddings are all about great big families coming together to rejoice the union of two souls! Aamod at Alwarbagh supports every moment of the celebration. We understand weddings and the requirement of both families completely. A good amount of brainstorming, food tasting and walking-recceing the resort always precedes the final decision for any bride and groom. A couple hours drive from both Delhi NCR and Jaipur, Aamod at Alwarbagh makes it an ideal choice for Destination Weddings for families from both cities. Aamod fulfils all the nitty-grittles associated with a destination wedding to create a perfect day to remember for both the families.

Tastefully done up rooms, a courtyard for all the pre-wedding ceremonies, sprawled lawns of different sizes for various celebrations, delicacies as per the menu and fragrant flowers that create the perfect memory for the whole event - Aamod at Alwarbagh delivers on promises made. Our long-term partners are well-known for their expertise

Ravishing Wedding Awards 2016



and also ensure quality delivery.

Our team works out a detailed plan for all the ceremonies our wedding group intends to celebrate. There is ample and enough space, service team at your tip for an impromptu song and dance.

We help you plan all the pre-wedding ceremonies along with the wedding splashed throughout the resort. Aamod Alwarbagh believes in creating memories and not just hosting weddings. The team is experienced at managing large sized weddings with group sizes between 100-500. Each event location will be well designed and set up as per the families' expectation. Food menu will be planned in advanced, served fresh and with love. We are happy to share older wedding memories that have taken place at Alwarbagh with you.



फौजी राज

शुद्ध भोजनालय

विशेष नोट: हमारे यहां शराब पीना व पीकर आना सख्त मना है।
नोट: हमारे यहां पर, हर महिने के अन्तिम रविवार को सुबह 10 बजे से सायं प्रभु इच्छा तक बाबा का कीर्तन व भण्डारा चलता है।

- 24 Hrs. Service
- Family Lunch Dinner
- R.O. Water
- Spl. in Paneer & Dal Makhani
- Parking Facility

Ex. Hav. A.C. Meena, EME
जिलाध्यक्ष आदिवासी मीणा
समाज सेवा संघ अलवर
अण्डा जिला क्वीर सेवा समिति अलवर

रूपबास-अलवर बाईपास, ओवर ब्रिज के पास, अलवर Ph. : 9351729123, 9610561309, 9610091011

Hotel Mount View

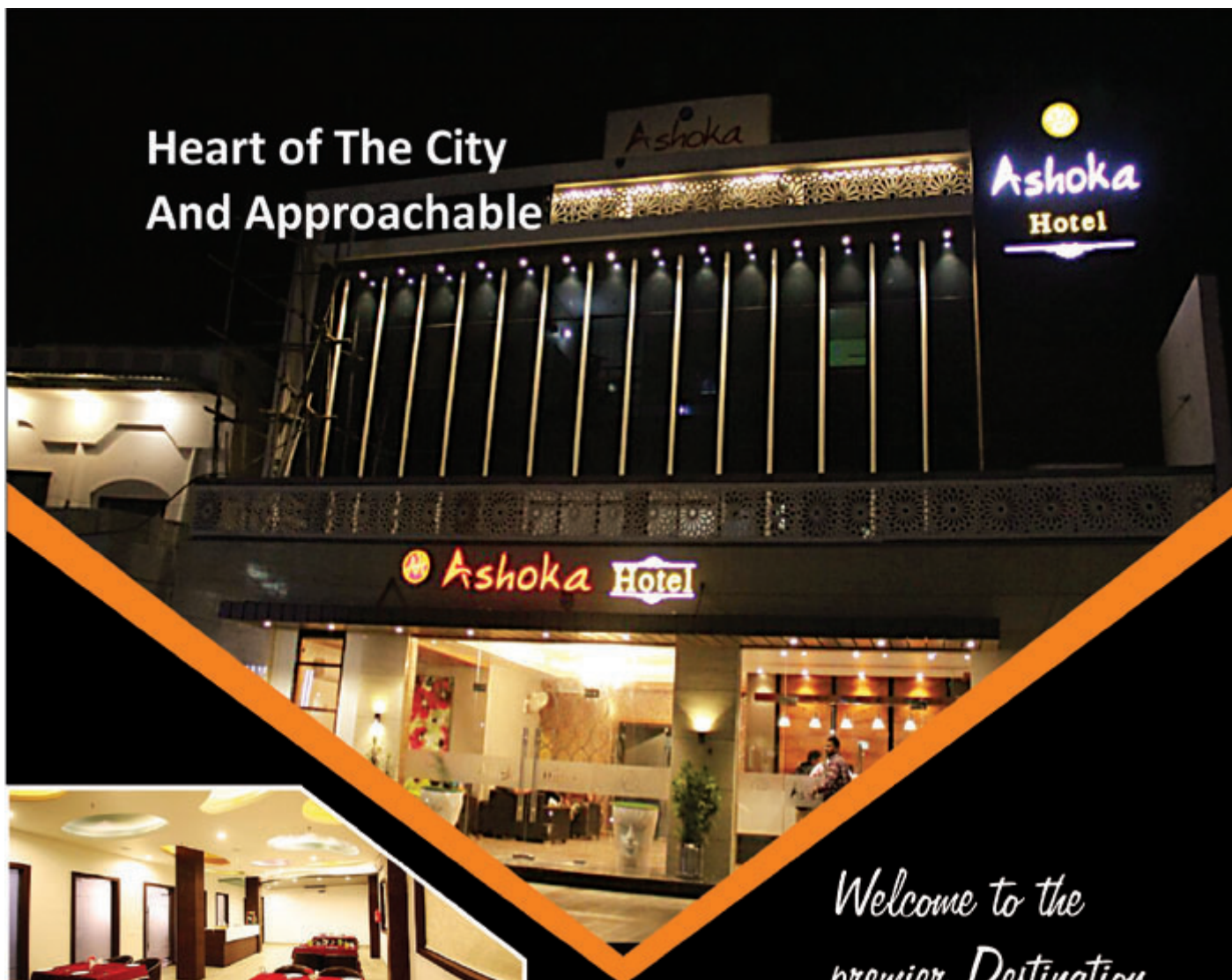
C/o Amrit Resort

- AC Rooms ■ AC Hall
- Garden Restaurant

श्री जी
Caterers

Kati Ghati, Sariska-Jaipur Road, Alwar Website : www.amritresort.com
Narendra Tiwari-9166005588, 9414166133

Heart of The City
And Approachable



Welcome to the
premier Destination
of Alwar

Ashoka
Hotel
Comfort on Budget

Air Conditioner & Air Cooled Luxurious Rooms, Fine Dining Restaurant,
Banquet Hall, Comfort on a budget Room Service

Manu Marg, Alwar Ph. : 0144346780, 9828833300

Email : ashokahotelalwar@gmail.com

Best Hotel in Neemrana **Golden Tulip**



An idyllic resort conveniently located on the Jaipur Delhi Highway, the Golden Tulip Grand Hira Resort Neemrana provides a wealth of modern amenities in a serene setting. Feel your cares melt away in this 4 star hotel in Neemrana amidst stylish surroundings. This new holiday resort provides excellent service and a range of facilities to enjoy in its elegantly appointed rooms. Explore ancient temples and tiger sanctuaries by day before enjoying fine dining and evening entertainment. Well equipped for both business travellers and those on holiday, the Grand Hira is ready to make your stay in Neemrana unforgettable.

There are 64 stylish hotel resort rooms and suites available at the Golden Tulip Grand Hira Resort Neemrana, each outfitted to a high international standard with spacious surroundings and premium fur-

nishings. Select from standard, deluxe, and executive rooms and suites in a convenient location. Complimentary high speed internet access is available throughout the hotel, while guests can also benefit from room service and panoramic views of the hotel's manicured lawns and golf course.

Although the Golden Tulip Grand Hira Resort Hotel Neemrana boasts an enviable location near many of the Golden Triangle's most notable attractions, you may not wish to leave its surroundings during your visit thanks to the plentiful services and facilities available. Enjoy a round of golf, a dip in the outdoor swimming pool, or a relaxing visit to the spa. Guests benefit from some of the best restaurants in Neemrana at their fingertips, including a Japanese restaurant. Business guests are also taken care of with free wireless internet access and extensive meeting



It was a pleasure for us to host Honourable Ram Vilas Paswan, the current Union Minister of Food and Public Distribution. We had the delight of him staying at our hotel GoldenTulipNeemrana and share some great words with Mr. Randhir Yadav, MD & Sudeep Yadav Manager Golden Tulip Grand Hira Neemrana.

facilities. The Golden Tulip Grand Hira Resort Hotel is easy to access with its prime location on the Jaipur Delhi Highway. Guests can enjoy swift access to the business centre of Neemrana as well as top historic sites of this ancient city including the impressive Neemrana Fort. Wildlife lovers won't want to miss a trip to the Sariska Tiger Reserve, while the attractions of bustling Delhi are less than 2 hours away.

Saubhagya Floor & Furnishing



AUTH. DEALER
• D Decor, GM, Dicitec • BLINDS AUTH.
• DISTRIBUTOR Marvel • WALLPER Korea /
• Germany Make LG • CARPET Ambadi,
• obsession

115, Jai Complex, Behind Axis Bank,
Alwar, Mob. : 9414019419, 805800448

www.sobhagyaalwar.com E-mail: sobhagyaalwar@rediffmail.com





rajasthan

आपणो

राजस्थान

जानें क्या दिख जाए ?

राजस्थान भारत का ऐसा भू-भाग है जो शुरू से ही राजपूतों, राजाओं का शौर्य स्थल रहा है। अंग्रेजों ने इसे राजपूताना अर्थात् राजपूतों का देश कहकर पुकारा। आगे चलकर इसके लौकिक स्वरूप को परिवर्तित करके एक पृथक नाम दिया गया। राजपूत राजाओं के राज्यों को मिलकर एक राज्य का निर्माण किया गया। अतः इसे राजस्थान नाम से संबोधित किया। यह नाम पुनर्गठन आयोग ने 1956 में रखा। भारत के पश्चिमी भाग में अरावली पर्वत मालाओं से घिरा राजस्थान पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। यहां की प्राकृतिक विभिन्नता और विविधता कहीं और देखने को नहीं मिलती। राज्य के एक तरफ झीलों की नगरी व राजस्थान का कश्मीर उदयपुर है तो दूसरी ओर साइबेरिया से उड़कर आने वाले खूबसूरत पक्षियों की क्रीड़ास्थली केवलादेव अभयारण्य भरतपुर। यहां के इकलौते थार मरुस्थल के सुनहरे रेतीले टीले अपना एक विशेष

स्थान रखते हैं तो दूसरी तरफ मंत्रमुग्ध कर देने वाले प्राकृतिक सौंदर्य से अलंकृत माउण्ट आबू हिल स्टेशन है। गुलाबी नगर जयपुर स्थित प्रसिद्ध हवामहल, रानी पद्मिनी के जौहर का प्रतीक चित्तौड़गढ़ का दुर्ग, महाराणा प्रताप के शौर्य, बलिदान, युद्धकौशल की गाथा बयान करती हल्दीघाटी की पवित्रभूमि, अनेक हवेलियों, महलों, झीलों, बहुमूल्य संस्कृति, कलाओं-हस्तकलाओं के खजाने से समृद्ध इस धरती पर प्रायः हर तीसरा पर्यटक खिंचा चला जाता है।

Take home memories while

Shopping

In the bustling lanes of local bazaars, you are given an entire array of products to shop from. Rajasthan's rich local textile cloth, miniature paintings, finely-crafted jewellery and ethnic artcraft are some of the few things you'll consider treasuring for life. As you explore the variety of goods, you'll discover traditional richness in minute details; and take home a reflection of royal legacy.

Go to an

Adventure

If adrenaline-rushing activities define adventure for you, then the adventure has just begun. From trekking in the heights of Mount Abu, to sightseeing from the sky in the hot air balloon, Elephant ride at Amber and jeep safari at many places, Rajasthan gives your every reason to let loose. The Camel Safari through the sun-kissed dunes of desert will leave you equally amazed.

Home to

Experience

Rajasthan, India's largest and most vibrant State -takes you on a journey, unforgettable. The land of legends charms every soul with its rich history, majestic monuments, colourful culture, lively festivals and adventurous getaways. From the heights of a royal fort, into the depths of an age-old tradition... from a run in the wild, to a stroll in the desert- Rajasthan takes you around an experience at every step

Home to

Experience

While entering Amer Fort in Jaipur or boating across the Lake Palace in the middle of Lake Pichola in Udaipur- you are charmed by the grandeur of Rajasthan's royalty. Beautiful palaces gigantic forts are inherent gifts of royals that your eyes can treasure. You can opt for a royal stay in selected palaces which presently serve as hotels. What else? You can explore this regal land in extravagant style. Rajasthan on Wheels- Take you to the most breathtaking sports across the State in 5-star comfort.

अलवर ने उद्योग जगत में बनाई नई पहचान

दक्षिण कोरियाई उद्योग क्षेत्र

दक्षिण कोरियाई कम्पनियों के लिए अलवर के नीमराणा के पास घोलोट में विशेष औद्योगिक क्षेत्र की स्थापना पर मुहर लग गई। राजस्थान औद्योगिक विनियोजन विनियोजन निगम (रीको) एवं दक्षिण कोरिया व्यापार संवर्धन एजेंसी (कोत्रा) के बीच इसके लिए मार्च 2013 में इकाई लगाएंगी। इनमें ज्यादातर घरेलू इलेक्ट्रॉनिक उत्पाद बनाने वाली कम्पनियां हैं।

टपूकड़ा में होण्डा प्लांट

मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने 1 जून 2011 को अलवर के टपूकड़ा में होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर इण्डिया प्रा.लि. के दूसरे संयंत्र का उद्घाटन किया। इससे पहले खुशखेड़ा रीको औद्योगिक क्षेत्र में जापानी कम्पनी होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर्स इण्डिया की इकाई स्थापित की गई थी।

भिवाड़ी

हरियाणा व दिल्ली से लगे भिवाड़ी में औद्योगिक गतिविधियां अपने चरम पर हैं। यहां राज्य का तीसरा कंटेनर डिपो भी स्थित है। इसके अलावा नोटों की स्याही बनने का कारखाना प्रमुख है। यहां बहुराष्ट्रीय कम्पनियों की सर्वाधिक औद्योगिक इकाइयां स्थित हैं।

भिवाड़ी में ग्लास फैक्ट्री

विश्व की अग्रणी ग्लास बनाने वाली फ्रांस की सेंट गोबेन कम्पनी का प्लांट अलवर जिले के भिवाड़ी औद्योगिक क्षेत्र में स्थापित है। प्लांट में कम्पनी ने एक हजार करोड़ रुपए का निवेश किया है।


40 हजार एकड़ में ग्लोबल सिटी:

शाहजहांपुर-नीमराणा-बहरोड़ में 40 हजार एकड़ क्षेत्र में ग्लोबल सिटी बनेगी। इस कॉम्पलैक्स में सूचना प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य व शिक्षण सुविधाओं व मनोरंजन के लिए आईटी सिटी, मेडिसिटी, नॉलेज सिटी व एंटरटेनमेंट सिटी भी स्थापित होगी।

अलवर में नया वैगन कारखाना

अमरीकी कंपनी 580 करोड़ रुपए की लागत से अलवर जिले के रेल वैगन कारखाना स्थापित करेगी। इसके लिए अलवर-राजगढ़ मेगा हाइवे पर स्थित महवा खुर्द गांव में भूमि चिन्हित की गई।

The Imprint of Pristine Nature



THE DADHIKAR FORT

Village - Dadhikar, Alwar
www.dadhikar.com
 Call : 91-995044990, 9950669900

भर्तृहरि



उज्जैन के राजा और महान योगी भर्तृहरि ने अपने अंतिम दिनों में अलवर को ही अपनी तपोस्थली बनाया था। अलवर शहर के 35 कि.मी. दूर स्थित यह स्थान भर्तृहरि के नाम से प्रसिद्ध है। प्राकृतिक स्थल के साथ यह धार्मिक एवं ऐतिहासिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण है। यहां बनी भर्तृहरि की समाधि पर बड़ी संख्या में दर्शनार्थी आते हैं। हर वर्ष भाद्र और वैशाख माह में यहां भर्तृहरि का मेला लगता है। यह कनफटे नाथों का प्रसिद्ध तीर्थ स्थल है।

NEELKANTH



नीलकण्ठ

सिरिस्का वनक्षेत्र में स्थित नीलकण्ठ, पहाड़ियों के बीच स्थित एक मन्दिरों का स्थल है। यह पुराने समय में बड़गुजरो की राजधानी थी। यहाँ पर पत्थरों में कारिगरी द्वारा अनेक आकर्षक भित्तिचित्र बनाये गये हैं। यहाँ का मुख्य स्थल शिव मन्दिर है। यहाँ पर अभी शोध कार्य चल रहा है तथा अनुमान है कि, पूर्व में यहाँ एक सुन्दर विकसित क्षेत्र था जिसमें अनेक मन्दिर थे।

LOHIYA

Wedding Planner & Caterers

Exclusive Services :

- Food Catering
- Event Planning
- Theme & Decor Planning
- Guest Management Planning



Ritumbhara Resort

Dhal Pedhi Ka Tiraya Sariska Road, Alwar
Pradeep Lohiya : 9414231892
Shivam Lohiya : 9603002629

पल दो पल

HOTEL & RESTAURANT

रेस्तरांटी : कढ़ाई पनीर, मलाई कोपरा,
रेस्तरां फुट रायल, शाही पनीर

AC/NON AC
Rooms Available

जयपुर रोड, नियर कटिघाटी, अलवर
फोन 0144-2886351, 9252514146, 9252266965

all kinds of events managing

Hotel Saroop Vilas Palace

A Complete Family Restaurant

Office : Hotel Saroop Vilas Palace, Moti Dungri, Alwar
Spl. In Food Catering (Big Lawn for Marriage & Parties)

- Birthday
- Kitty Party
- Family Restra
- Ring Ceremony
- Conference Hall



D.S. Shekhawat,
9414016414

Golden Bagh Resort
A place where dreams comes true

GOLDEN BAGH RESORT

18 Luxurious Rooms **Banquet Hall**
Attractive Lawn **Confrence Hall**

A place where dreams comes true



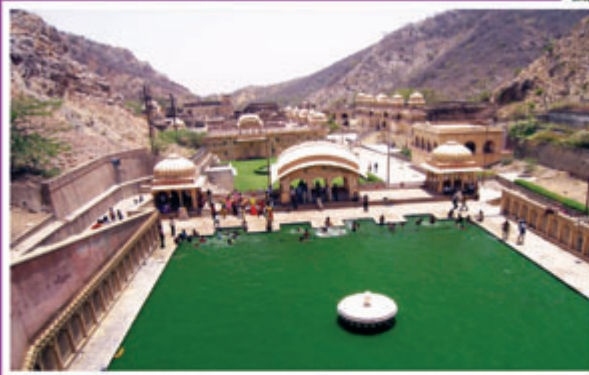
Anil Sahni
M - 9828110096

Dashrath S. Shekhawat
M - 9414016414

Vikram S. Shekhawat
M - 9468699063

JAIPUR

The colour pink is associated with hospitality in Rajasthan. So it is only appropriate that Jaipur, the capital of the state be washed in this shade-spreading out the 'Pink' carpet for visitors. Planned by a young Bengali architect, Vidyadhar Bhattacharya, Jaipur was built by Maharaja Swai Jai Singh II in 1727 A.D. Laid in a grid system, with straight avenues, roads, streets, lanes criss cross the city with rows of shops on either side of main bazaars arranged in nine rectangular city sectors (Chowkris). The planning of the city followed the principles of "Shilpaslastra", a epochal treatise of Hindu architecture. Displaying remarkable harmony, the heart of the Pink City beats in its fairy tale palaces, rugged fortresses perched on hills. The only planned city of its time, Jaipur is encircled by a formidable wall. Jaipur today is a blend of tradition and modernity. Beautifully laid out gardens and parks inter-seperse the timeless appeal of its colourful bazaar where one can shop for Rajasthani handlooms and trinkets. A night spent at the marvellous heritage hotel, once the residence of Maharajas transports you to the day of royalty of yore



जंतर-मंतर

अगस्त 2010 में जंतर-मंतर को विश्व विरासत सूची में शामिल कर लिया गया। विश्व धरोहर सूची में जंतर-मंतर प्रदेश का पहला व देश का 28वां स्मारक हो गया है। इसका निर्माण जयपुर शहर की स्थापना के समय सन् 1734 में कराया गया था। सवाई जयसिंह द्वारा बनाई गई इस वेधशाला का अंतरराष्ट्रीय महत्व है। इसका निर्माण समय की जानकारी, सूर्योदय एवं सूर्यास्त तथा नक्षत्रों की जानकारी प्राप्त करने के लिए किया गया। देश में सबसे पहली वेधशाला दिल्ली में 1724 में बनवाई गई। जयपुर के बाद उज्जैन, बनारस और मथुरा में भी वेधशालाएं बनवाई गईं। जयपुर की वेधशाला सबसे विशाल और विख्यात है।

जयपुर राजस्थान राज्य की राजधानी है। यह प्रसिद्ध नगर पूरी दुनिया में 'पिकसिटी' अर्थात 'गुलाबी नगरी' के नाम से भी विख्यात है। महाराजा जयसिंह द्वितीय ने इस नगर की स्थापना की। जयपुर का पुराना शहर वास्तुकार श्री विद्याधर महाचार्य द्वारा बसाया गया है तथा मिर्जा इस्माइल द्वारा इसे सजाया गया। यह विश्व का पहला-पुराना शहर है जिसे भविष्य की आकांक्षाओं को, दार्शनिक उद्देश्यों को ध्यान में रखकर तत्कालीन शिल्पकला के नियमों के अनुसार खण्डों में विभाजित करके बसाया गया है।

शहर की हृदय स्थली रामनिवास बाग के मध्य स्थित भारतीय व फारसी शैली में बनी यह इमारत शहर का प्रमुख पर्यटक स्थल है। प्रिन्स ऑव अल्बर्ट के आगमन व सम्मान में निर्मित इस भवन की आधारशिला 6 फरवरी 1876 को प्रिंस अल्बर्ट ने रखी व 21 फरवरी 1887 ई. को तत्कालीन भारतीय गवर्नर जनरल के एजेंट सर एडवर्ड ब्रेडफोर्ड ने उद्घाटन किया।

Albert Hall

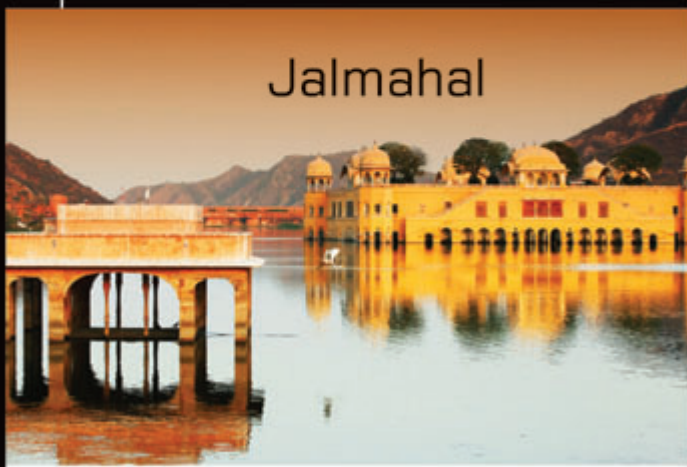


Hawa Mahal

Built in 1799 A.D., the Hawa Mahal or Palace of Winds is a major Rajput landmark. This five-storey building along the main street of the old city is in pink splendour with semi-octagonal and delicately honey combed sandstone and delicately honey combed sandstone windows. The monument was originally conceived with the household to processions of the city.

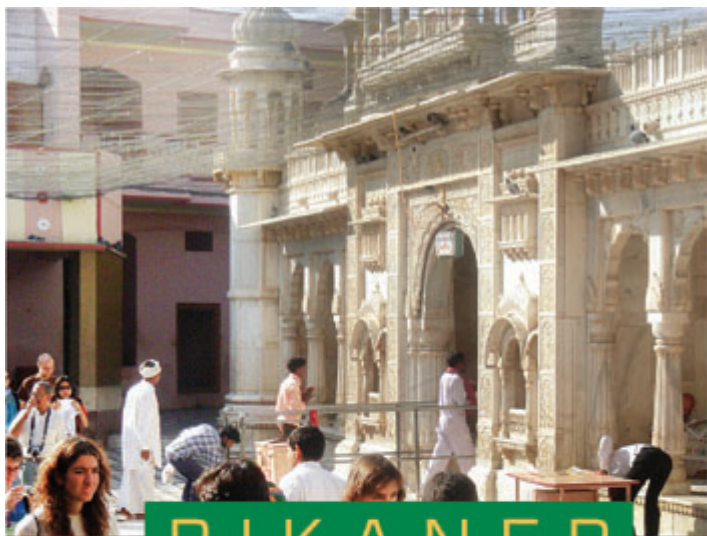


Jalmahal



जलमहल

जयपुर-आमेर मार्ग पर जलमहल का निर्माण सवाई जयसिंह ने करवाया था। ईश्वर विलास महाकाव्य और दस्तूर कौमवार की सूचनानुसार सवाई मानसिंह ने जयपुर की जलापूर्ति के लिए गभायती नदी पर बांध बनाकर मानसागर तालाब बनवाया था। सवाई जयसिंह ने अश्वमेध यज्ञ भी करवाया था। जिसमें आमंत्रित ब्राह्मणों के भोजन व विश्राम की व्यवस्था इसी जलमहल में कराई थी। जलमहल मध्यकालीन महलों की भांति मेहराबों, बुजों, छतरियों तथा सीढ़ीदार जीनों से बना दो मंजिला और वर्गाकार रूप में निर्मित है। इसकी ऊपरी मंजिल के चारों कोनों पर बुजों की छतरियां व बीच की बारादरियाँ संगमरमर के अठपहलू स्तंभों पर आधारित हैं। आमेर की घाटी के नीचे फूलों की घाटी और कनक वृंदावन मंदिर स्थित हैं। इसका निर्माण भी सवाई जयसिंह ने करवाया था।



BIKANER

Renowned for the best riding camels in the world, Bikaner lies in medieval splendour, a royal fortified city with a timeless appeal. Lying in the north of the desert state the city is surrounded by sand dunes, some mighty and others of mild gradients.

The strategic location of Bikaner on the ancient Caravan routes of West and Central Asia made it the prime trade Centre in by-gone years. Then, as in now, the camel became irreplaceable, be it as a beast of burden for transporting grains, working on wells, or simply as a mode of transport.

Bikaner's history dates back to 1488 A.D. when the Rathore prince, Rao Bikaji-son of the founder of Jodhpur (1459 A.D.), Rao Jadhaji, established his kingdom here. Of all his live siblings, Rao Bikaji, the most enterprising, chose the barren wilderness called 'Jangladesh' and transformed it into a most impressive city.

The old city of Bikaner stands on a slightly raised ground encircled by an embattled wall with five gates. Till today, its magnificent forts and palaces built with reddish-pink sandstone, bear testimony to its rich and architectural legacy. Walk through the city's lanes and colourful bazaars. Meet its cheerful folks and transport yourself to another place, another time.

Laxmi Niwas Palace



मादेश्वर और सादेश्वर मंदिर

इस मंदिर का निर्माण 14 वीं शताब्दी में दो सगे भाईयों भादेश्वर और सादेश्वर द्वारा करवाया गया। इन्हीं के नाम पर मंदिर का नाम रखा गया। यह एक सुंदर जैन मंदिर है। यह अपनी नक्काशी और कलाकृति के लिए प्रसिद्ध है। मंदिर में कौंच का काम दर्शनीय है।

लालगढ़ महल

इस ऐतिहासिक महल का निर्माण महाराजा गंगासिंह ने अपने पिता महाराजा लाल सिंह की यादगार में बनवाया। महल की आंतरिक सजावट की डिजाइनिंग सर स्वीटन जैकब ने की थी। इसकी नक्काशी देखने योग्य है।

बीकानेर के आसपास

भांडासर जैन मंदिर (5 कि.मी.)

16वीं शताब्दी में बना जैन धर्म के 23वें तीर्थंकर भगवान पार्श्वनाथ का आकर्षक मंदिर यही स्थित है। यह मंदिर सुंदर नक्काशी, शीशे का काम और कलाकृतियों के लिए प्रसिद्ध है।

गजनेर वन्य प्राणी अभयारण्य (32 कि.मी.)

यह जैसलमेर मार्ग पर स्थित है। यहां कई जानवर देखे जा सकते हैं। जैसे काले भूग, नील गाय, चिंकारा, जंगली सूअर, व रेतीली तीतरों के झुण्ड के लिए यह एक स्वर्ग है। झील के तट पर स्थित गजनेर महल राजाओं की गर्मियां बिताने की आरामगाह था।

करणी माता मंदिर (30 कि.मी.)

बीकानेर जोधपुर सड़क मार्ग पर यह मंदिर देशनोक में स्थित है। करणी माता की मूर्ति का दुर्गा का अवतार के रूप में सम्मान होता है। यहां के राजवंश में माता के अनन्य भक्त थे। यह मंदिर महाराजा सुरजसिंह ने बनवाया जिसमें सफेद संगमरमर पर पेचीदा नक्काशी मंदिर के मुख्य द्वार पर देखने योग्य है। यहां हजारों चूहों को फर्श पर घूमते हुए देखा जा सकता है। इन चूहों को काबा कहा जाता है। यह चूहे चारण जाति के लोगों में पूजनीय हैं। यहां ऐसी मान्यता है कि अगर किसी को सफेद चूहा दिखाई दे जाए तो उसकी हर मनोकामना पूर्ण होती है।



JODHPUR



To listen to the tales of antiquity in the emptiness of the desert, come to Jodhpur. Founded in 1459 A.D., the city was founded by Rao Dodha, chief of the Rathore clan. He claimed to be a descendant of Lord Rama-the hero of the epic Ramayana. Soaring 125 mt. above the plains, the Mehrangarh Fort looms on top of a rocky hill, surrounded by a high wall-10 km long with 8 gates and innumerable bastions. History aside, there's another side to the city. The 16th century, fortress-city of Jodhpur was a major trade center in by-gone years. It today stands as the second largest city in the state of Rajasthan. Wind through the jumble of streets of Jodhpur, Smile at the unusually fascinating folks wearing multihues costumes. Admire the women in gathered skirts and hip-length jackets with three-quarter sleeves covering the front and the back. Try on the colourful turbans worn by the men folk. It was here that the popularly worn baggy-tight, hors riding trousers 'Jodhpuris' took their name.



उम्मेद भवन

उम्मेद भवन

यह भवन छीतर झील के पास एक पहाड़ी पर स्थित है। बालू पत्थर से निर्मित यह भवन महाराजा उम्मेदसिंह ने बनवाया था। इसकी स्थापना 18 नवंबर 1928 को उम्मेदसिंह ने की थी। सन् 1940 में यह बनकर पूर्ण हुआ। मण्डोर-राव जोधा द्वारा जोधपुर की नींव रखने से पूर्व तक मण्डोर मारवाड़ की राजधानी रहा था। प्राचीन माण्डल्यपुर का अपभ्रंश मण्डोर है। जोधपुर के दिवंगत राजाओं की छतरियां एवं देवालय यहां निर्मित हैं। उद्यान में वीरो की गैलरी में सोलह आदमकद प्रतिमाएं हैं जो पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।



Mandor



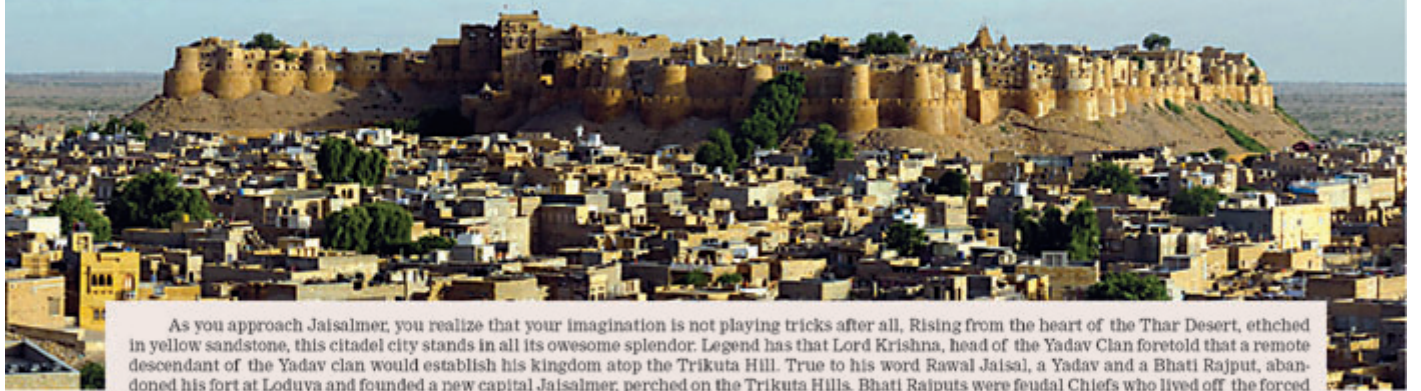
बाल समन्द झील

इस झील का निर्माण परिहार नरेश बाल राव ने करवाया, यहां वर्षा जल एकत्र होता है। यहां सुन्दर उद्यान तथा महल भी है।

मण्डोर

राव जोधा द्वारा जोधपुर की नींव रखने से पूर्व तक मण्डोर मारवाड़ की राजधानी रहा था। प्राचीन माण्डल्यपुर का अपभ्रंश मण्डोर है। जोधपुर के दिवंगत राजाओं की छतरियां एवं देवालय यहां निर्मित हैं। उद्यान में वीरो की गैलरी में सोलह आदमकद प्रतिमाएं हैं जो पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

J A I S A L M E R



As you approach Jaisalmer, you realize that your imagination is not playing tricks after all. Rising from the heart of the Thar Desert, etched in yellow sandstone, this citadel city stands in all its awesome splendor. Legend has it that Lord Krishna, head of the Yadav Clan foretold that a remote descendant of the Yadav clan would establish his kingdom atop the Trikuta Hill. True to his word Rawal Jaisal, a Yadav and a Bhati Rajput, abandoned his fort at Lodruva and founded a new capital Jaisalmer, perched on the Trikuta Hills. Bhati Rajputs were feudal Chiefs who lived off the forced levy on the caravans laden with silks and spices that crossed the territory enroute Delhi or Sind. These Caravans were the source of great wealth for the clan. The rise of shipping trade through the port of Mumbai saw the decline of Jaisalmer. The fortress however stood the test of time. In the mind's eye, even today, medieval majesty of the citadel still remains. Narrow lanes, magnificent palaces, havelis of the rich and the famous temples are all there. And when the sun sets every evening, Jaisalmer is transformed into a magic kingdom-the Sonar Kila. The best time to visit the golden city is during the Desert festival every February when the city reverberates with sounds and rhythms all its own. Join in on the folk dances, compete in unique contests involving lying the turba, emerge as Mr. Desert. Enthralled the camel races are on! Colourful craft bazaars are setup, a sound and light spectacle with folk artists performing will thrill you to the bone. Catch it on a full moon night with the same sand dunes as a backdrop. Return, year after year



जैसलमेर दुर्ग

इस दुर्ग का निर्माण रावल जैसल ने सन् 1556 ई. में त्रिकूटा पहाड़ी पर करवाया था। सतह से तीस मीटर की ऊँचाई पर इस प्राचीनतम व ऐतिहासिक दुर्ग में 99 बुर्ज हैं। इस दुर्ग के अंदर 12वीं से 15 वीं शताब्दी के बीच बने जैनमंदिर स्थित हैं।

पटवों की हवेली

यह पाँच मंजिला व नक्काशी युक्त सबसे बड़ी इमारतों में से एक है। इसके अलावा यहां सलीम सिंह की हवेली, नाथमल जी की हवेली आदि दर्शनीय हैं।

ताजिया टॉवर

मुस्लिम शिल्पकारों ने ताजिया के आकार का जैसा इसका निर्माण किया जो पाँच मंजिल का है। बादल महल सेइसे देखा जा सकता है।



लक्ष्मीनारायण मंदिर

जैसल कुएं के पास स्थित 14 वीं शताब्दी में बना यह मंदिर अति भव्य व सुंदर है।

जैसलमेर के आसपास

लोदवा (16 कि.मी.) - यह जैन तीर्थ यात्रियों के लिए एक महत्वपूर्ण स्थान है। मुख्य द्वार पर तोरण और नक्काशी देखने योग्य है। इसके अंदर लगा कल्पतरु मंदिर का मुख्य आकर्षण है।

रामदेवरा (119 कि.मी.) - बाबा रामदेव का भव्य मंदिर सन् 1931 में बीकानेर के महाराजा गंगासिंह ने बनवाया था। यहां बाबा रामदेव की समाधि स्थित है 7 बाबा रामदेव साहब एक महान संत और पीर हैं। उनमें कई चमत्कारी शक्तियां थीं। उन्होंने उन शक्तियों का प्रयोग उन शक्तियों का प्रयोग जनता की भलाई के लिए किया।

BHARATPUR



Bharatpur, the eastern gateway to Rajasthan lies at the end of a 55 kms. drive from agra and brings you to the heart of bird land. Bharatpur has become a major destination for birdlovers from the world over with its Keoladeo Ghana National Park; the finest in Asia.

The Siberian crane takes its winter break by landing in the sylvan surroundings of Bharatpur every year. If a sense of history fascinates you, visit the Bharatpur palace and take in the remnants of the royal post, a rich repository of ancient exhibits dating back to the early 15th century.

बयाना का किला

एक ऊँचे पहाड़ पर बने बयाना के किले को अपने दुर्भेद्यता के कारण बादशाह दुर्ग या विजयगढ़ का नाम दिया गया है। इस किले का निर्माण विजयपाल ने करवाया था।

बयाना

पुराणों में बयाना के निकट पर्वतीय अंचल को शोणितगिरी तथा बयाना नगर को शोणित नगर कहा गया है। इसके अलावा इसे बाणपुर, श्रीपुर एवं श्रीपंथ भी कहा जाता है।



गंगा मंदिर

1846 में गंगा मंदिर का शिलान्यास महाराजा बलवंत सिंह ने किया था जिसमें 90 साल बाद महाराजा बृजेन्द्र सिंह ने 12 फरवरी, 1937 को गंगा जी की मूर्ति प्रतिष्ठित की।

डींग के महल

भरतपुर से 35 किमी. दूर उत्तर की ओरे जलमहलों की नगरी, प्राकृतिक बगीचों का दुर्ग डींग स्थित है। पर्यटन की दृष्टि से यह नगर महल एवं फव्वारों के लिए प्रसिद्ध है। यहां सन् 1725 में राजा बदनसिंह ने डींग महल का निर्माण करवाया था। यहां के दर्शनीय स्थलों में जलमहल और गोपाल महल काफी प्रसिद्ध है। इसका निर्माण महाराजा सूरजमल ने करवाया था। जलमहल दो तालाबों के मध्य स्थित है। इसमें बने हरिदेव भवन, नंद भवन, केशव भवन ग्रीष्मकालीन आवासगृह थे।

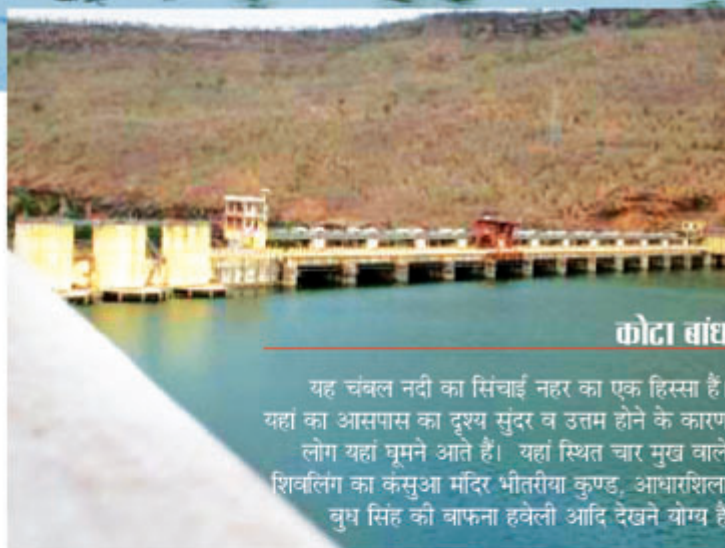


KOTA

चंबल नदी के किनारे बसा कोटा शहर राजस्थान का औद्योगिक नगर है। यहां एशिया का सबसे बड़ा उर्वरक प्लांट तथा परमाणु ऊर्जा केन्द्र है। एक स्वतंत्र राज्य के रूप में 1631 ई. कोटा की स्थापना हुई। यहां स्थित किलों व महलों को देखने के बाद बीते इतिहास की जानकारी मिलती है।

A visitor to Kota is in for a double bonus. Located along the eastern bank of the Chambal river, the city remains untouched on the one hand, and a bustling industrial center on the other. Impressive forts, opulent palaces and splendid temples dating back over several centuries retain its glory, while present day edifices and heavy industries make Kota throng with activity. A bit of history, way back in the 12th century A.D. the Hada Chieftain, Rao Deva conquered the territory and founded Bundi and Hadoti. Down the millennia in the early 17th century A.D., during the reign of the Mughal Emperor Jahangir, the ruler of Bundi, Rao Ratan Singh, bequeathed the smaller principality of Kota to his son, Madho Singh. The blend of the old and the new becomes evident as one stands in the commanding fort overlooking the modern Chambal Valley Project with its many dams- the Kota Barrage, Gandhi Sagar, Rana Pratap Sagar and the Jawahar Sagar. An old ornate palace dating back to the time when Kota was under the control of the Hada Chieftaincy-Hadoti, faces the Kota Barrage. Its Durbar Hall glitters with beautiful mirror work with doors of ebony and ivory.

The Brij Raj Bhawan Palace, the jag Mandir-an island palace, the splendid havelis with mesmerizing frescoes and the royal cenotaphs are a must see for any visitor



कोटा बांध

यह चंबल नदी का सिंचाई नहर का एक हिस्सा है। यहां का आसपास का दृश्य सुंदर व उत्तम होने के कारण लोग यहां घूमने आते हैं। यहां स्थित चार मुख वाले शिवलिंग का कंसुआ मंदिर भीतरीया कुण्ड, आधारशिला बुध सिंह की बाफना हवेली आदि देखने योग्य है

जग मंदिर

किशोर सागर की कृत्रिम झील के बीच जग मंदिर का मनमोहक घाटी महल स्थित है। इसे सन् 1346 में बुंदी के राजकुमार धरदेह ने बनवाया था।

चंबल गार्डन

यह प्राकृतिक दृश्यों से भरपूर बगीचा चंबल नदी के किनारे स्थित है। चंबल नदी में नौका विहार की सुविधा भी उपलब्ध है तथा यह एक अच्छा पिकनिक स्थल भी बन गया है।

देवता जी की हवेली- बाजार के बीचो-बीच देवता श्रीधर जी की सुंदर हवेली है। यह हवेली अपने ललितपूर्ण भित्तिचित्रों व अलंकृत कमरों के कारण प्रसिद्ध है।



MOUNT ABU

राजस्थानका एकमात्र पर्वतीय पर्यटन स्थल माउंट आबू अरावली पर्वत श्रृंखला की सबसे ऊँची चोटी पर समुद्र तल से 1220 मीटर की ऊँचाई पर दक्षिणी सिरे पर स्थित है। इसे राजस्थान का कश्मीर भी कहा जाता है। हरे-भरे पेड़-पौधों से भरी पहाड़ियों के कारण यहां का तापमान हमेशा ठंडा रहता है। माउंट आबू ही वह जगह है जहां धरती को राक्षसों से मुक्ति दिलाने हेतु यज्ञ करने के लिए ब्राह्मणों द्वारा चुना गया। वहीं अग्नि गठरी से राजपूतों के चार वंशों- चौहान, परमार, प्रतिहार और सोलंकी की उत्पत्ति हुई। अतः यह अति पवित्र और दर्शनीय स्थान बन गया।



देलवाड़ा जैन मंदिर

11वीं और 13 वीं शताब्दी के मध्य संगमरमर से बने ये मंदिर स्थापत्य, शिल्प व मूर्तिकला की दृष्टि से बेजोड़ नमूना हैं। इन जैन मंदिरों में सबसे प्राचीन विमलशाह का मंदिर है। 1031 ई. में महाराजा भीम ने देव केमंजी विमलशाह द्वारा देलवाड़ा गाँव में इसका निर्माण करवाया था। इसके मुख्य भाग में मंदिर के अलावा एक पक्षि में लगातार 52 पवित्र छोटे-छोटे मंदिर स्थित हैं।

नवकी लेक

पहाड़ियों के बीच स्थित यह झील नगर के मध्य होने के कारण पर्यटकों के लिए आकर्षण का केन्द्र है। इसमें नौका विहार भी किया जा सकता है।

गोमुख मंदिर

सफेद संगमरमर से निर्मित गाय के मुख के समान आकृति वाली चट्टान से निकलने वाले प्राकृतिक झरने के कारण इस स्थानका नाम गोमुख पड़ा। कहते हैं कि यहीं पर राजपूतों के चार वंशों की उत्पत्ति एक अग्नि गर्भ से हुई थी।

अधरदेवी मंदिर

एक अति विशाल पहाड़ की काटकर बनाया गया यह मंदिर अति सुंदर है। इसे अरबूदा देवी के मंदिर के नाम से भी जाना जाता है। इस मंदिर के दर्शन के लिए तीन सौ साठ सीढ़ियाँ पार करनी पड़ती हैं।

ओम शांति भवन

इसे अंतर्राष्ट्रीय शांति का भवन भी कहा जाता है। यहीं ब्रह्माकुमारी विश्व ईश्वरीय विश्व विद्यालय स्थित है।

माउंट आबू के आसपास

अचलगढ़ किला (8 कि.मी.)- इस किले में कई खूबसूरत प्राचीन मंदिर हैं। इसमें 1412 ई. में बना अचलेश्वर महादेव मंदिर प्रमुख है। इस मंदिर की प्रतिमा पर सोने की परत चढ़ी हुई है। 16 वीं शताब्दी में बनाए गए चार जैन मंदिर भी यहां स्थित हैं। चौदह सर्व धातु की मूर्तियाँ हैं जिनका कुल वजन 1440 किलोग्राम है।

गुरुशिखर (15 कि.मी.)- समुद्र तल से 1722 मीटर की ऊँचाई पर यह सबसे ऊँची चोटी है। यहां पहुँचकर आबू और इसके आसपास के दृश्य देखे जा सकते हैं। यहां एक शिव मंदिर और दत्तात्रेय का मंदिर स्थित है।





UDAIPUR

Udaipur-the city of dawn. As the sun rises from across the azure lakes, the city awakens to a vision drenched in romance. Its sights and sounds are pure inspiration for poets, painters and writers. Fairytale palaces and gardens, temples and narrow lanes create a picture perfect atmosphere. The placid lake pichhola mirrors a feeling of wonder and tranquility. Yet, Udaipur was once-the epicenter of heroism, valour and chivalry. Udaipur is the jewel of Mewar- a kingdom ruled by the Sisodia dynasty for 1200 years. And like so many other cities in Rajasthan, Udaipur also comes with its own legend. According to it, Maharana Udai Singh, while out hunting met a holy man meditating on a hill overlooking lake Pichhola. He advised the Maharana to build his palace on that spot, where a shimmering stream flowed through a fertile valley. A most picturesque site indeed with a lake, a agreeable altitude nestled in an amphitheatre of low mountains. The Maharana did as he was told and gave the world a city we know as Udaipur.



सहेलियों की बाड़ी

फतहसागर पाल की तलहटी में बनी सहेलियों की बाड़ी राजस्थान के रमणीक बगीचों में से एक है। सहेलियों की बाड़ी के बीच में गोल तथा चौकोर फव्वारे लगे हैं।

सज्जन निवास बाग

इस बाग का निर्माण महाराणा सज्जनसिंह ने करवाया था। यहां के गुलाब अपने आकार के लिए विख्यात हैं। इस कारण इसे गुलाब बाग भी कहा जाता है। इसी में नगर परिषद् के द्वारा बच्चों की रेलगाड़ी चलाई जाती है। इस भवन को वाणी-विलास के नाम से भी पुकारा जाता है।

लेक पैलेस (जग निवास)

पिछोला झील के बीचों बीच एक टापू पर स्थित इस महल को महाराणा जगतसिंह द्वितीय ने सन् 1746 में बनवाया था। वर्तमान में इस अंतरराष्ट्रीय स्तर के आधुनिक सुविधाओं से युक्त होटल में परिवर्तित कर दिया गया है।





To hear the tiger roar, come to Ranthambhor National Park. Sawai Madhopur is the gateway to this tiger territory just 12 kms away on the Delhi-Mumbai railway line. But before the tigers made it their natural habitat, Ranthambhor was a part of Rajasthan's history. It was a witness to raging battles, the rise and fall of many a ruler. In the 13th century A.D., Govinda, the grandson of Prithviraj Chauhan took over the reign of the land. Later his son, Vgbhatta beautified the city and the Ganesha temple. In the middle of the 15th century A.D. Rana Kumha captured the fort and gifted it to his son. Still later, the fort was occupied by the Hada Rajputs of Bundi and the Mughal Emperors Akbar and Aurangzeb. The Mughal Emperor Shah Alam gifted Ranthambhor to Maharaja Sawai Madho Singh of Jaipur in 1754. And since then, it was maintained as a hunting reserve. Two of the most famous dignitaries were part of hunting parties who stayed here were none other than Queen Elizabeth II and the Duke of Edinburgh. Today the Ranthambhor fort is under the mantle of the archaeological Survey of India.



श्री महावीर जी- जैन धर्म के चौबीसवें तीर्थंकर भगवान महावीर स्वामीकी प्रतिमा चंदन गांव स्थित एक टीले की खुदाई से प्राप्त हुई थी। कहते हैं कि म्वाले को सपने में दृश्य दिखाई दिया। रोज उस म्वाले की गाय का उसी स्थान पर खुद ही दूध क्षीण हो जाता था। वहीं स्थान से खुदाई के दौरान यह भव्य, विशाल लाल पत्थर की भगवान महावीर स्वामी की प्रतिमा निकली थी। आज वहां विशाल मंदिर बना हुआ है। जहां जैन व अन्य सम्प्रदाय के लोग दर्शन के लिए आते हैं।

सवाई माधोपुर के आसपास

कैलादेवी (110 कि.मी)- करौली शहर से 20 कि.मी. दक्षिण की ओर पहाड़ियों और घने जंगलों के बीच कैलादेवी का मंदिर है। यहाँ श्री मदन मोहन जी का मंदिर भी दर्शनीय है।

रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान

शहर से 12 कि.मी. दूर अरावली एवं विंध्य श्रृंखलाओं के भू-भाग 392 वर्ग कि.मी. में फैले इस राष्ट्रीय उद्यान में सूखे व पतझड़ी जंगल हैं। रणथम्भौर राष्ट्रीय उद्यान एक विश्व प्रसिद्ध बाघ आरक्षित क्षेत्र है। बाघ के अलावा इस उद्यान में तेंदूआ, लकड़बगधा, गीदड़, जंगली बिल्ली, रीछ और अजगर भी हैं।

रणथम्भौर किला

सन् 994 में निर्मित रणथम्भौर का किला समुद्र तल से 200 मीटर ऊँचाई पर स्थित है। इस किले में कई महल खण्डहर रूप में हैं जो अतीत की कहानी कह रहा है। आठवीं शताब्दी में बना गणेश मंदिर हजारों श्रद्धालुओं का ध्यान आकर्षित करता है और यहां भाद्रपद सुदी चतुर्थी को वार्षिक मेला लगता है।



Fairy Queen Train

This is a heritage train, which was started way back in 1855 for the East India Railway by Kinston, Thompson and Hewitson a British firm. The steam engine is the oldest working engine in the world and has been certified by the Guinness book of record.

The Fairy Queen Train was started again in 1997 from Delhi to Alwar.

The Fairy Queen Train has 50 first class chair cars and a pantry car for onboard catering.

Some facts and features of the Fairy Queen Train.

The train was named in 1895 as Fairy Queen, and the service was stopped in 1908.

The Fairy Queen was first exhibited in the National Rail Museum in 1971.

The Fairy Queen was completely overhauled in Perambur Workshop of the Southern Railway in 1996.

In 1997 the Fairy Queen was ready for its first trip which commenced on 18.07.97.

The Fairy Queen was certified by the Guinness book of record as the oldest working locomotive on 13.01.98.

The prime minister of India awarded the Fairy Queen on 25.01.99 with the National Tourism Award.

The weight of the Fairy Queen is 26 Tonnes.

The coal tender can carry 20 Tonnes.

The water capacity is 2000 liters.

The horse power is 130.

It runs on Broad gauge.

The maximum speed is 40kmph.

It has 2 outside cylinders.

The Fairy Queen Train will take you to Alwar, from where you will take a short drive and reach Lake

Palace Siliserh for high tea and a cultural program. Then head for Sariska for dinner and overnight stay.

In the morning you will take a jeep safari to the Tiger Sanctuary and check out the tiger in its natural habitat. There are a lot of wild animals like leopards, sambhars and chinkara also. The town of Sariska has temples built in the 9th and the 10th century also. After breakfast at Sariska you will head back to the Alwar Museum and immerse yourself in the rich heritage of



the place.

Departure from Alwar station in the afternoon, and light lunch on board the Fairy Queen Train. Arrival at Delhi Cantonment Railway Station.

गांधी ज्यूस सेन्टर

स्वाद लाजवाब

हर कोई पीये बार-बार



अशोका दाहीज के सामने, अलवर Mob. : 9414215159



मैंगो शेक

पाइनेपल शेक

बील शेक

पपीता शेक

स्पेशलिस्ट मैंगो शेक

Rajasthani Food



Kalakand



Dal Bati Churma



Moong ka Halwa



Sweet Dish of Ajmer



Jodhpuri Mawa Kachori



Imarti

Jaipur ATM Service

■ Axis Bank (Jaipur)- Moondra Bhavan No. 3, Ajmer Road, Jaipur ■ Axis Bank (Johari Bazar)-Shop No. 248, Jaipur
 ■ HDFC- Shop No. NG/42 Nehru Place, JDA Complex, Jaipur ■ HDFC- 103/63, Madhyam Marg, Mansarovar, Jaipur
 ■ HDFC- Shop No.2, Opp. Shyam Nagar, Sodala, Jaipur ■ ICICI- Shop No. 103, Plot No. 13, Govind Marg, Adarsh Nagar, Raja park, Jaipur
 ■ ICICI- Jaipur Aripot Jaipur ■ ICICI- Center, 50 Ganpati Plaza, M.I. Road, Japur. ■ ICICI- IOC-Retailoutel, M/s yadav & co. Ajmer Road, Jaipur
 ■ Axis Bank (Tilak Nagar)-A-31, Kanchan Apts, Opp. LBS College, Tilak Nagar, Jaipur ■ Axis Bank (Panch Batticircle)- Khandelwal Mansion, Panch Batti Circle, MI Road, Jaipur
 ■ Centurian Bank of Punjab- 3-D Vila Station Road, Jaipur

Top hotel in jaipur

■ Sunrise Health Resort, Jaipur, Delhi, Chandivazi, Ajmer Hivya, Jaipur, Ph. 9828500094 ■ Amer City Heritage Hotel, Near Bhempuri Police Station Amer Road, Jaipur-0141-2672972 ■ Hotel Jaipur Heritage, Golimar Sadan Sita Rampuri, Ph. : 2630870 ■ Hotel Banni Park Place, D-160 Kabir Marg Banni Park, Jaipur ■ The Raj Place, Joharaver Singh Gate Amer Road, Jaipur Ph. 9314402002 ■ Hotel Havamahar, Savirline Ajmer Road, Jaipur 0144-2222217 ■ Hotel Pink Place Near Sindhi camp vinasthali Marg, Jaipur, Ph. : 0141-2366363 ■ Golden Hotel Kanti Nagar Polovitita cinema ka samne Jaipur, Ph. 01412-2204607 ■ Hotel Cand vilace, Candi camp bus stand, Jaipur

Tour & Travels

Riddhi Siddhi	9414337294,
Malva Travels	9829215665
Indoria Travels	9414018217
Friends Travels	9414018115
Ahuja tour Travels	9414019733
Sharma Bus Service	8107029641
Janta Bus Service	9414017492
Virman Travels	9828119585
Shree Nath Travels	9414367686
Vijaya Travels	9829096190
Gopalia Travels	9352201414
Bhairu Travels	9828132938
Puspendra Travels	8058575501
Jai Shree Krishna	9461306567

Alwar ATM Service

■ HDFC Bank- Bhagat Singh Circle UIT, Alwar ■ HDFC Bank- Cross Point Mall in under Jail circle, Alwar ■ HDFC Bank- Near Petrol Pump Bus stand, Alwar ■ ICICI Bank- Arya Nagar Vijay Mandir Road, Alwar ■ Punjab National Bank- Nangli Circle, Alwar ■ IndusInd Bank- Gourav Path, Children Hospital, Alwar ■ Dena Bank- Gopal Talkies, Bus Stand Road, Alwar ■ Ing vaisya Bank- Nangli Circle, Alwar ■ SBI Bank- Near Mahal Chock, Alwar ■ Corporation Bank- Moti Doongari, LIC office, Alwar

Top hotels in Alwar

■ Dadhikar Fort,	9414013021
■ Burja Haveli,	9928026521
■ Sunrise Resort,	9166005588
■ Inderlok Classic,	9829096285
■ Fatehgarh Farm,	9461278808
■ Alwar Bagh,	9799398610
■ Hotel Maharaja Palace,	9413303909
■ Matsya Aravali	9829482786
■ Goyal Marriage Event	9414223381
■ Sasuji Dhani	9460106506
■ Sariska Hotel	9649111193
■ Hotel Sky View	9828519821
■ Gupta Jheel	9468617653
■ Hotel Saroop Vilas,	9414016414
■ Fouji Raj Hotel,	9610091011
■ Spice Nation Restro	9887310013
■ Hotel Aravali,	9829482786
■ Sariska Tiger Camp,	9414017220
■ Ritumbhara,	9414231802
■ Hotel Mayur,	9314020158
■ Hotel Tourist,	8094442222
■ Hotel Pal Do Pal,	9252266965
■ Hotel Jhankar,	9413689606
■ Hotel Hive,	8854043216
■ Hotel MGB	9829096120
■ Hotel Prem Pavatra,	9829215299
■ Hotel Nirwana Palace,	9829900009
■ Hotel Galaxy,	9828093000
■ Aashyana Hotel,	9828359898,
■ Sagar Resort,	9414680869
■ Hotel Mount View,	9166005588
■ Royal Krishna Garden	9829382820
■ Radhika Kunj	9414223381
■ D6 WEDDINGS	9828574530
■ Hotel Alwar inn	9928076629
■ Ashoka Hotel	9828093000
■ Hotel Ankur	9829096120
■ Hotel Naman	9312271863
■ Sariska Tiger Heaven	9414016312
■ Hotel Natraj	9799013470
■ Tree Tigers	7023888887
■ Occasion Event	9829096285
■ Jugle Lap	9818391208
■ Tijara Fort	9587885003

Jaipur Tourism Important No...

■ Albert Hall, 0141-2570099 ■ Amer Fort, 0141-2530293
 ■ City Palace, 0141-2605681 ■ Hawa Mahal, 0141-2688862 ■ Jaigarh Fort, 0141-2671848 ■ Nahargarh Fort, 0141-5148044 ■ Ram Niwas Bagh, 0141-5665244
 ■ Jantar-Mantar, 0141-2610494 ■ Zoo, 0141-2680494, 2617319 ■ Albert Hall, 0141-2570099 ■ Tourism Reception, 5110598

Riddhi Siddhi

Tour & Travels

Airport Railway Station
For 24 Hours Service Available

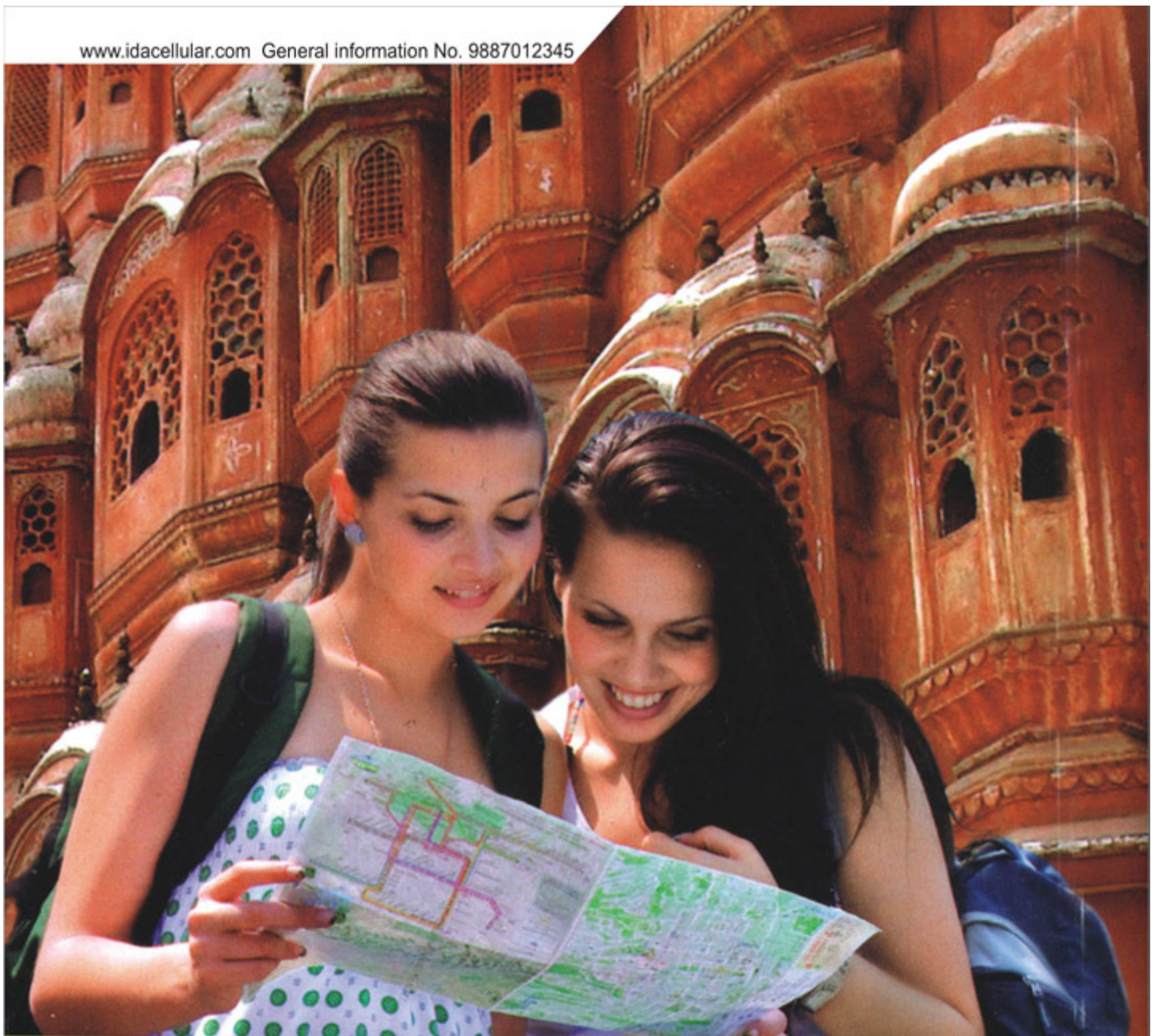
Comfortable Journey by A/C & Non A/C
Tata Indica, Indigo, Sumo, Tavera, Qualis etc.

Bus Stand, Police Control Room,
Alwar, Mob. 9414337294, 9351882003

Top Hotels in Behror & Neemrana

Golden Tulip	9829907777	Hotel Shagun	9214201113
Hotel Tara	7073999601	Hotel Shri Sai	9812126110
Samrat Hotel	9414639716	Hotel K 10	9799655572
Shakti Resort	9828832100	Maharaja Hotel	9413901836
Hotel Highwayking	9828801444	Shree Sai Food	7726983098
Sagar Ratna	9813602466	Hotel Star	9636288978
Tree House	9549567801	Maharani Midway	9829544831
Hotel Cambay	9314244104	Gan Gaur Midway	8107952099
Neemrana Turist	01494-246006	Shree Manglam Midway	9929731777
Rajputana Resort	9251464646	Muskan Midway	9785908955
Session Court	9549631222	Moti Mahal Midway	9636356534
Shiva Osisis	9929066805	Days Hotel	9828330111
Shakti Vihar Hotel	9783666888	Adhunik Hotel	9810544447
Hotel Midway	9829975654	Neemrana Palace	9829246210





**Get Idea !
Get seamless coverage
across Rajasthan**

!idea

Roam with Idea,
select IDEA/INDIR/40487

